भाद्रपद शुक्ल पक्ष पंचमी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 55 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
28 अगस्त 2025 गुरुवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

छह साल से अटके मामले पर पहली बार सीएम हाउस में जुटे सभी दल

मध्यप्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के लिए सर्वदलीय संकल्प

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पिछले छह वर्ष से मप्र की प्रशासनिक व सियासी गलियों में घूम रहा 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण का मुद्दा करीब घंटेभर की सर्वदलीय बैठक के बाद करीब-करीब 'सुखांत' पर आ गया है। आज इसके लिए संबंधित वर्ग को लाभ दिलाने के लिये संकल्प पारित किया गया। आरक्षण लागू करने व इसके लिए सर्वसम्मत निर्णय पर पहुंचने के लिए ही आज इस मामले में पहली बार सीएम हाउस में सभी दलों की बैठक बुलाई गई। उल्लेखनीय है कि यह मुद्दा छह वर्ष से कोर्ट में भी चल रहा है। बताया जाता है कि बैठक में सभी दलों के प्रतिनिधियों ने आरक्षण पर अपनी राय दी। कुछ सुझाव भी दिये गये हैं, इन पर आगे कार्रवाई का निर्णय लिया गया है। बैठक के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि इस मामले में अब तेजी से आगे बढ़ा जाएगा। 13 प्रतिशत का जो मसला है उसका भी कोर्ट से जल्दी निराकरण हो और सरकार की कोशिश विद्यार्थियों को लाभ दिलाने की होगी। हालांकि कांग्रेस के तेवर शुरू से सख्त रहे, कांग्रेस ने कहा कि वह तो खुद अपनी सरकार में 27 फीसद सीमा करने का अध्यादेश ला चुकी है।

उधर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि जिन लोगों ने गड़बड़ की, क्या उनको सजा मिलेगी? शिवराज और यादव व पूरी भाजपा की सरकार ने कांग्रेस शासन के समय दिए गए ओबीसी आरक्षण को रोका। लंबे मुकदमे बाजी में समय व सरकारी धन भी खर्च हुआ। इस पर संबंधित पनिशमेंट मिलना चाहिए। उधर, कमलनाथ ने बैठक को लेकर कटाक्ष किया व कहा कि सरकार अपने ही बुने जाल में फंस रही है। हालांकि सीएम मोहन यादव ने कल ही कहा था कि जब पक्ष विपक्ष दोनों इस सीमा तक आरक्षण पर सहमत हैं तो मिलकर रास्ता निकालेंगे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि गणेश चतुर्थी पर सरकार और मोहन यादव को सद्बुद्धि आई है, 6 साल पहले कमलनाथ सरकार में आदेश हुआ था, अब पुराने घर में नारियल फोड़कर 27 प्रतिशत आरक्षण का गृह प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सर्वदलीय बैठक की आवश्यकता तब पड़ती है जब विवाद हो या समन्वय न हो। कांग्रेस तो पहले से ही तैयार है। अब देखना होगा सरकार कैसे आगे बढ़ती है। इस बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी थे वहीं पटवारी के अलावा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट रामेश्वर ठाकुर, वरुण ठाकुर, सपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव, आम आदमी पार्टी प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल भी बैठक में पहुंचे। दोनों पक्षों के वकील भी मौजूद रहे।

एफेडविट पर असमंजस

बताया जाता है कि इस मामले में मप्र पीएससी ने सुप्रीम कोर्ट में पुराना एफेडेविट वापस लेने व नया दाखिल करने की बात कही। जबकि इससे पहले 19 अगस्त को कहा गया था कि 27 फीसद आरक्षण की मांग वाली याचिकाएं सुनवाई के योग्य नहीं हैं। इन्हें खारिज होना चाहिए।

क्या है मामला, कहां-कहां पेंच

दरअसल वर्ष 2019 में तत्कालीन कमलनाथ सरकार ने ओबीसी आरक्षण की सीमा 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने का निर्णय लिया था। तब सरकार का तर्क था कि मध्यप्रदेश की आबादी में ओबीसी की हिस्सेदारी करीब 48 प्रतिशत है,लिहाजा 27 फीसदी आरक्षण न्यायसंगत होगा। इस तारतम्य में कमलनाथ सरकार विधानसभा में 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण के लिए विधानसभा में अध्यादेश लेकर आई। बाद में इसे लेकर हाईकोर्ट में याचिकाएं दाखिल हुईं। इन याचिकाओं में तर्क दिया गया कि आरक्षण की कुल सीमा 50 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी, जो सुप्रीम कोर्ट की इंदिरा साहनी (मंडल आयोग केस, 1992) में तय की गई सीमा का उल्लंघन है। इसके बाद मई 2020 में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने भर्ती प्रक्रिया में 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण लागू करने पर स्टे दे दिया। इससे एमपीपीएससी और शिक्षकों की भर्ती समेत कई नियुक्तियां अटक गईं।

दिग्गी बोले - जो नहीं कहा उसके आरोप मुझ पर लगे यह मेरी कुंडली का दोष...

दिग्विजय सिंह के पॉडकास्ट पर चर्चा में कमलनाथ की सरकार गिरने और उनकी (दिग्गी) खुद की सरकार के समय की हकीकत के विश्लेषण के बाद आज बात करेंगे उनकी बयान और उनसे उठने वाले विवाद पर। सिंह ने लम्बे समय के मौन के बाद दिए इस इंटरव्यू में कहा है कि वे गांधीवादी और नेहरूवादी मध्यमार्गी वामपंथ की राह पर चलने वाले नेता रहे हैं। इसी के तहत वे अपने विचार रखते हैं तो उस पर बेवजह के बवाल मीडिया के जरिए खड़े किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि शायद उनकी कुंडली में ही कुछ ऐसा है कि उन पर ऐसे आरोप राजनेता गढ़ते हैं, जो उन्होंने कभी कहा ही नहीं। उन्होंने कहा कि रेस के घोड़े और बारात के घोड़े वाला जुमला मूलत-कमलनाथ ने गढ़ा था। राहुल गांधी ने उसमें लंगड़ा घोड़ा जैसा शब्द जोड़ा। लेकिन ऐसा उन्होंने क्यों और किसके लिए किया इसका जवाब राहुल गांधी ही दे सकते हैं।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

अपने बेटे जयवर्धन सिंह को लेकर उन्होंने कहे कि उन्हें प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष से गुना कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया है। अब , यह प्रमोशन है या डिमोशन? इसके बारे में भी राहुल गांधी ही बता सकते हैं, लेकिन उन्होंने जयवर्धन कई बड़े नेताओं को को जिला कांग्रेस की जिम्मेदारी सौंपी है ,तो कुछ सोचकर ही सौंपी होगी। दिग्गीराजा ने इस बात से इंकार किया कि प्रज्ञा ठाकुर को हिंदु आतंकवाद या भगवा आतंकवाद से जोडने वाला बयान दिया। यह कहीं और से आया था। वे तो सभी तरह के आतंकवाद के खिलाफ हैं, चाहे वह हिंदुओं का हो या मुसलमानों, सिखों या ईसाईयों का। वह हमेशा धर्म के नाम पर कट्टरवाद फैलाने वालों के खिलाफ रहे हैं। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने जिन पर भी कार्रवाई की, वह प्रमाणों के तहत की। उन्होंने दावा किया कि महू में मुसलमानों के घरों को जलाने के आरोपी संघ के नेता सुनील जोशी की हत्या संघ के लोगों ने ही करवाई थी।

दिग्विजय के पॉडकास्ट का पोस्टमार्टम पार्ट-4

दिग्गी राजा ने पत्रकार मिलिंद खांडेकर के साथ बातचीत के दौरान राहुल गांधी की काबिलयत पर उठाए जाने वाले सवालों को सिरे से खारिज किया। उनका कहना था कि वह बेहद परिपक्व नेता हैं। निडर हैं। उन्होंने अपनी पदयात्रा के दौरान आम जनता के साथ संवाद करके जो कुछ सीखा है, उतना कोई और नहीं सीख सकता। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर सूबे के मुख्यमंत्री मोहन यादव की कार्यशैली को लेकर संजीदा अंदाज में तीखे हमले बोले । उनका दावा है कि मप्र में उनके दस साल के कार्यकाल में कोई दंगा नहीं हुआ। वे पंडित व्दारका प्रसाद मिश्र के उस सिद्धांत पर चलते रहे जिसमें वे कहते थे कि सरकार चाहे तो दंगे हो ही नहीं सकते। अपनी सरकार के दौरान उन्होंने साफ कह रखा था कि जिस जिले में दंगा होगा, उसके कलेक्टर और एसपी की खैर नहीं होगी। उनका कहना है कि स्थानीय पुलिस को सब जानकारी होती है कि कौन संदिग्ध गतिविधि में लिप्त है। वह उन पर समय रहते रोकथामी कार्रवाई करें तो हालात बिगड़ ही नहीं सकते। दिग्गी ने कहा कि उन्होंने सीएम रहते सिमी वालों को पकड़ा। धार में एक मौलवी पर भडक़ाऊ परचा जारी करने पर कार्रवाई भी की। तो दूसरी तरफ बजरंग दल और विहिप के नेताओं को भी नहीं बख्शा। उन्होंने कहा कि जब महू में एक मंदिर में गड़बड़ी होने पर मुसलामानों के घरों को जलाने के आरोप में संघ के सुनील जोशी को तभी पकड़ा, जब उसके खिलाफ बम बनाने और आतंक फैलाने के सबूत मिले।

जारी...

सनातनी हूं लेकिन घंटा बजाने या मंदिर में लोट लगाने में यकीन नहीं रखता

बाटला हाऊस में मारे गए आतंकियों का बचाव

सिंह ने बटाला हाऊस इनकाऊंटर के दौरान मारे गए आतंकियों को शहीद बताने के बयान का बचाव करते हुए कहा कि जो लडक़े मारे गए वे उस आजमगढ़ के थे जहां बाबरी मस्जिद गिरने पर भी हिंसा नहीं हुई। उनका सवाल था कि आखिर वहां के लडक़े आतंकवादी कैसे हो सकते हैं? लेकिन उनके आजमगढ़ जाकर उनके परिजनों से मिलने पर विहिप और कट्टर इस्लामियों ने विरोध किया। इंटरव्यू में इंस्पेक्टर महेश शर्मा की एनकाउंटर में मौत और बाटला हॉउस में मिले कम्पयुटर के बारे में न कोई सवाल हुआ और न ही इस पर वे कुछ बोले। गौरतलब है कि मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए हमले के दौरान बाटला हाऊस में मिले कंप्युटर में एक दस्तावेज मिला था। इसका शीर्षक था 'दिस डस्ट विल नॉट सेटल डाऊन' यानी यह गुबार नहीं थमेगा । इस दस्तावेज का खुलासा मैंने खुद तब नईदुनिया में काम करते वक्त पहले पर छापते हुए किया था। इस दस्तावेज में ही एक बड़े शहर में बड़े आतंकी हमले की तैयारी का ब्यौरा था जो चंद महीनों बाद मुंबई में 26 नवंबर हुए हमले के रूप में सामने आया जिसमें 166 से ज्यादा लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए। एटीएस चीफ हेमंत करकरे भी इसी में शहीद हुए थे। हालांकि तब भाजपा नेता जीवीएल नरसिंहाराव ने दिग्विजय सिंह पर हिंदु आतंकवाद जैसे शब्द गढने का आरोप लगाया था। उनके इस बयान पर भी ऐतराज किया था कि करकरे को आतंकवादियों ने नहीं संघ की विचारधारा वाले पुलिस वालों ने मारा था।

राहुल-तेजस्वी की यात्रा के बीच बिहार में 3 आतंकियों की घुसपैठ

नई दिल्ली/पटना. एसआईआर के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के बीच बिहार में तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों के घुसपैठ की खबर है। खबरों के मुताबिक ये आतंकी नेपाल के रास्ते बिहार पहुंचे हैं। इन पाकिस्तानी आतंकियों हसनैन, आदिल और उस्मान की फोटो भी जारी की गई है। इन सभी के पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की खबर है। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों की पुलिस को हाईअलर्ट जारी किया है। खुफिया इनपुट के आधार पर आशंका जताई जा रही है तीनों आतंकी बिहार में अररिया जिले से घुसे होंगे। इधर राहुल की वोट अधिकार यात्रा पूर्वी चंपारण पहुंचने वाली है। इसे देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। नेपाल से लगी सीमा पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। सीमाई क्षेत्र में पुलिस और एसएसबी अलर्ट है। तलाशी अभियान तेज करने के निर्देश हैं। भारत-नेपाल की खुली सीमा पर चौकसी बढ़ाई गई है तथा नेपाल से आने वाले यात्रियों के डॉक्यूमेंट की जांच का आदेश दिया गया है। नागरिकता प्रमाण-पत्र की जांच की है।

जम्मू में दो आतंकी ढेर

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में आज भारतीय सेना और स्थानीय पुलिस की आतंकियों के साथ मुठभेड़ में जवानों ने दो आतंकियों को मार गिराया। भारतीय सेना ने बताया कि उन्हें आतंकियों के घुसपैठ की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके आधार पर, भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन शुरू किया, ऑपरेशन अभी जारी है। इससे पहले 2 अगस्त को जम्मू-कश्मीर में कुलगाम जिले के अखल देवसर इलाके में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए थे।

हिमाचल में फिर लैंडस्लाइड, 3 जिलों में दो हजार टूरिस्ट फंसे

शिमला/नई दिल्ली, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश के कारण जनजीवन बेहाल हो गया है। कई जगह भारी बारिश से चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई है। कुछ पुल व सड़के ध्वस्त हो गये हैं। राज्य के तीन जिलों में 2000 से ज्यादा टूरिस्ट फंस गये है। राज्य में बाढ़ और बारिश की घटनाओं में अब तक 310 लोगों की मौत हो चुकी है। उधर पंजाब में बारिश के कारण 7 जिले और 150 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। 30 अगस्त तक सभी स्कूल बंद हैं। जम्मू-कश्मीर में बारिश से जुड़ी दुर्घटनाओं में 41 लोगों की मौत हो गई। जम्मू में झेलम और दिल्ली में यमुना खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

इधर, मप्र में क्षिप्रा चढ़ी

मध्यप्रदेश में आज से कुछ जिलों में फिर तेज बारिश का दौर है। मानसून ट्रफ की एक्टिविटी होने से खरगोन, खंडवा समेत 10 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। उज्जैन में शिप्रा नदी उफान पर है। घाटों पर बने मंदिर पानी में डूब गए हैं। धार के मनावर में सुबह तेज पानी गिरा। मौसम विभाग ने खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी और बालाघाट में 24 घंटे में ढाई से साढ़े 4 इंच तक पानी की संभावना जताई है।

लादेन को 'ओसामा जी' तारीफ नहीं तंज में कहा था

सिंह ने कहा कि ओसोमा बिन लादेन को उन्होंने ओसामा जी सम्मान के लिए नहीं बल्कि पाकिस्तान के एबटाबाद में सेना के कैंप के पास मारे जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की तारीफ की थी। और ओसामा जी कहकर पाकिस्तान पर तंज कसा था। उनका दावा है कि वे शुद्ध सनातनी हैं। उनके राघोगढ़ महल में कई देवी देवताओं की मूर्तियां हैं। उन्हें खुद को सनातनी साबित करने के लिए मंदिर जाकर घंटे बजाने या मंदिर में लोट लगाने की जरूरत नहीं है। वह नियमित रूप से एकादशी का व्रत रखते हैं।

मेट्रो एंकर

भिंड के विधायक और कलेक्टर एक-दूसरे को क्यों कह रहे हैं चोर

झगड़े की जड़ में अवैध रेत खनन... काली कमाई की बंदरबांट!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विधायक और जिले के कलेक्टर एक-दूसरे को चोर कहने लगें और नौबत हाथापाई तक पहुंच जाए तो स्वाभाविक है कि जिले में कोई ऐसा बड़ा खेल चल रहा है जिससे बड़े आर्थिक हित जुड़े हुए हैं। कलेक्टर के बंगले पर बुधवार को जो कुछ हुआ, उसकी पड़ताल में सामने आ रहा है इस झगड़े की जड़ में सिंध नदी से निकलने वाली रेत का करीब 200 करोड़ का कारोबार है। इससे क्षेत्र के नेता - कार्यकर्ता और प्रशासनिक अमले के लोग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि जिस रस्ते से विधायक से जुड़े लोग रेत का अवैध परिवहन करते हैं, वहां बेरियर लगाए जाने से विधायक नाराज थे। इसलिए वे खाद की समस्या को आगे रखकर कलेक्टर के बंगले पहुंच गए और बात इतनी बिगड़ी कि हाथापाई तक पहुंच गई। बता दें कि घटनाक्रम के पहले किरदार भिंड के भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह हैं और दूसरे, रिटायरमेंट के नजदीक पहुंच चुके प्रमोटी आईएएस अफसर संजीव श्रीवास्तव। रेत के कारोबार को लेकर ग्वालियर-चम्बल संभाग में वर्चस्व की लड़ाई नई नहीं है। यहां एक आईपीएस अफसर की हत्या तक हो चुकी है। ताजा मामले से जुड़े तार भी रेत माफिया से जाकर जुड़ते हैं।

दरअसल, भिंड जिले में सिंध नदी से रेत निकालने का ठेका पिछले दो साल तक किसी के पास नहीं था। पिछले दिनों यह दतिया जिले में काम कर रहे शिवा कार्पोरेशन को मिला है लेकिन खनन पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की

रोक लगी है। इसके बावजूद काम जारी है। यह कंपनी राजस्थान कांग्रेस के बड़े नेताओं से जुड़े मेघराज सिंह शेखावत की है और इसका काम उनकी ओर से गणपत शेखावत देखते हैं। वैसे, शिवा कार्पोरेशन का नाम प्रदेश के लिए नया नहीं है। जब शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री थे तब नर्मदा नदी से रेत निकालने का ठेका सालों तक इसी के पास था ओर अवैध खनन के आरोप लगते रहे थे। सूत्रों का कहना है कि भिंड में भी कंपनी एक ट्रॉली में जितनी रेत की रॉयल्टी देती है उससे दोगुनी रेत का परिवहन करती है। इससे जो अतिरिक्त कमाई होती है , उसका हिस्सा पुलिस, प्रशासन के साथ ही नेताओं तक बदस्तूर पहुंचता है।

यह तो सिस्टम की बात हुई जो चलता ही है, लेकिन बड़ी संख्या में नेताओं से जुड़े लोग भी रेत के खनन के अवैध कारोबार से जुड़े हैं। नेताओं की दबंगई की वजह से ठेकेदार के लोग भी इन्हे बर्दाश्त करते रहते हैं और प्रशासन भी। विधायक कुशवाह की नाराजगी इस बात पर थी कि जहां से उनके समर्थक रेत लेकर निकलते हैं , वहीं कलेक्टर ने नाके लगा दिए। रोज़ाना उनकी चेकिंग हो रही थी और ट्रॉलियां पकड़ी जा रही थीं। सूत्रों का कहना है कि इसी वजह से वे कुछ किसानों को साथ लेकर कलेक्टर के पास पहुँच गए और खाद नहीं मिलने की शिकायक करने लगे। कलेक्टर ने कह दिया कि रेत की चोरी नहीं चलेगी तो मामला बिगड़ता चला गया। हालांकि मीडिया को दिए बयान में विधायक ने यही कहा कि वे खाद की समस्या को लेकर ही कलेक्टर के पास गए थे पर वे रेत चोरी की बात करने लगे। बता दें कि ग्वालियर चम्बल में बीजेपी की राजनीति में कुशवाह और प्रदेश सरकार में मंत्री मेहगांव क्षेत्र के विधायक राकेश शुक्ला एक दूसरे के विरोधी माने जाते हैं । कुशवाह पहले दो बार बसपा से भी चुनाव लड़ चुके हैं। उनका दर्द यह भी है कि जहाँ से शुक्ला समर्थक रेत ले जाते हैं वहां चेकिंग नहीं होती।

पोस्टिंग के लिए भारी फीस

पूरे क्षेत्र में रेत के कारोबार की अर्थव्यवस्था ऐसी है की सभी इसका हिस्सा बनना चाहते हैं। यहाँ से रेत आसपास के जिलों के साथ ही उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भी जाती है। इसीलिए यहां पड़ने वाले पुलिस थाने ख़ास माने जाते हैं। ऐसे हर थाने में प्रभारी की पोस्टिंग भारी भरकम फीस के आधार पर होती है। रेट महीने के हिसाब से तय है फिर भी आने के इच्छुक अफसरों की कोई कमी नहीं।

भोपाल के एमपी नगर जोन 1 की गणेश जी की झांकी का दृश्य।

स्वास्थ्य अमले ने बढ़ाई निगरानी, किए जरूरी उपाय

इस बार डेंगू के केस कम मगर सात इलाकों में खतरा ज्यादा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी डेंगू का खतरा अपेक्षाकृत कम नजर आ रहा हो लेकिन चिकनगुनिया और मलेरिया के मामले ज्यादा सामने आ रहे हैं। रुक-रुक बारिश के चलते मच्छरजनित बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि अब तक जनवरी से अगस्त तक 59 डेंगू के मरीज मिले हैं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या 172 थी। चिकनगुनिया के 45 मरीज सामने आए थे, जबकि इस साल अब तक 54 मरीज हैं। मगर अजब बात यह है कि डेंगू और चिकनगुनिया के लगभग 60 फीसदी मामले केवल सात इलाकों से आए हैं। इनमें महामाई का बाग, बरखेड़ा कलां,साकेत नगर, बागमुगालिया, अवधपुरी, शाहजहानाबाद और शहीद नगर शामिल हैं। इसलिए इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग ने विशेष अभियान चलाकर रोकथाम के उपाय तेज किए हैं।

बताया जाता है कि इन क्षेत्रों में नगर निगम और मलेरिया विभाग ने इन क्षेत्रों में लार्वा सर्वे, फॉगिंग और पानी के जमाव को रोकने के लिए अभियान चलाया। 15 जगहों पर लार्वा मिलने पर 15,700 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। विभाग ने तीन लाख से अधिक घरों का सर्वे किया, जिसमें 10,161 घरों में लार्वा पाया गया। कुल 23 लाख कंटेनरों की जांच में 11,450 कंटेनरों में लार्वा मिला, जिन्हें तत्काल नष्ट किया गया। लोगों को पूरी बांह के कपड़े पहनने, घर के आसपास पानी जमा न होने देने और मच्छरों को पैदा होने से रोकने के तरीके बता रहे ाए जा रहे हैं ।84 स्कूलों में बच्चों को जागरूक करने के लिए निबंध और ड्राइंग प्रतियोगिताएं कराई गईं। दावा है कि जनवरी से अब तक करीब सात हजार लोगों की जांच की गई है, जिसमें मलेरिया के केवल सात केस सामने आए हैं। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्माका कहना है कि इस साल डेंगू के मामले कम जरूर हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि लापरवाह बरती जाए। क्योंकि कुछ इलाकों में लगातार मरीज मिल रहे हैं और हमारी टीमें वहां सक्रिय हैं।

राजधानी के हर इलाके में सज रही हैं झांकियां

धूमधाम से हुई गणेशोत्सव की शुरूआत

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी में गणेशोत्सव की शुरूआत धूमधाम से हो गई है। बीती आधी रात तक झांकियों तक गणेश प्रतिमा पहुंचने का सिलसिला चलता रहा और आज से सजावट आदि का दौर भी शुरु हो रहा है। शहर में लगभग करीब दो हजार जगहों पर प्रथम पूज्य श्रीगणेश विराजे हैं। इनमें से करीब ढाई सौ बड़ी झांकियां हैं। वहीं, घरों में भी गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की गई। लोग प्रथम पूज्य को भक्तिभाव के साथ लेकर घर पहुंचे। इस बार बड़े पंडालों में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। वहीं, नगर निगम हर झांकी से रोजाना निर्माल्य यानी, पूजन सामग्री इकट्ठा करेगा। इसके लिए वाहनों की व्यवस्था भी की गई है। गणेश प्रतिमाओं व पूजा सामग्री आदि के लिये शहर में दर्जनों स्थानों पर बाजार लगे बाजारों में भीड़ है। मूर्तियों के साथ लड्डू, फल, हार-फूल, नारियल की मांग भी बढ रही है। गणेशोत्सव शुरू होते ही बाजार में मोदक की कई वैरायटियां नजर आने लगी हैं। न्यू मार्केट के मिठाई कारोबारी इस बार मोदक की नई वैरायटियां में कोकोनट, चॉकलेट व केसर मोदक लेकर आए हैं।

पीपल चौक की झांकी में 351 किलो लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा। मालाखेड़ी में भी प्रथम पूज्य विराजित किए गए हैं। 10 दिनों तक सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन होंगे। इसी तरह धर्म कांटा छोला रोड में भी श्रीगणेश विराजे हैं। इस बार अयोध्या में श्रीराम की प्रतिमा के आसन रूप में भी गणेशजी की मूर्ति भी बनाई गई है। राम दरबार के रूप में भी मूर्ति बाजार में मौजूद है।

स्कूलों के पास सबद्धता शुल्क जमा करने सिर्फ दो दिन बाकी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने जारी किए हैं निर्देश

प्रदेश के स्कूलों को सबद्धता शुल्क जमा करने अब केवल दो दिन बाकी है। 31 अगस्त अंतिम तारीख तय की गई है। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इसके निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देश के तहत प्रदेश के निजी हाई और हायर सेकण्डरी स्कूलों को यह शुल्क जमा कराना होगा। लोक शिक्षण से जारी पत्र के आधार पर स्कूलों से कहा गया कि वे अपने जिले में जिला कार्यालय या संयुक्त संचालक कार्यालय में कार्रवाई पूरी करें। इससे पहले 10 अगस्त इसकी अंतिम तारीख थी। इस दौरान कई स्कूल राशि जमा नहीं करा पाए। स्कूल संचालकों की मांग को देखते हुए मंडल ने यह सीमा 31 अगस्त कर दी है।

महाविहार मुक्ति के समर्थन में निकाली रैली

भोपाल. बौद्धगया महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन के समर्थन में महू आंबेडकर नगर से शुरू हुई शांति धम रैली इन दिनों भोपाल में है। भंते देवानंद के नेतृत्व में यह रैली विभिन्न शहरों का भ्रमण करने के बाद भोपाल पहुंची है। इसके तहत बुधवार शाम को यह रैली तुलसी नगर स्थित बाबा साहेब आंबेडकर जयंती मैदान पहुंची। इस मौके पर आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और मानवंदना हुई।

भोपाल रेल मंडल के स्टेशनों से गुजरेंगी 100 से ज्यादा ट्रेनें

त्योहारों पर आंबेडकर नगर से आरकेएमपी होकर रीवा के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

दशहरा, दिवाली और छठ पूजा पर यूपी-बिहार तरफ जाने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भोपाल रेल मंडल अंतर्गत 100 से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने रीवा और डॉ. आंबेडकर नगर के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन 01704-01703 रीवा-डॉ. अंबेडकर नगर-रीवा फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन का संचालन 27 सितंबर से 25 अक्टूबर तक प्रत्येक शनिवार और रविवार को किया जाएगा। इस दौरान कुल पांच-पांच फेरे चलाए जाएंगे। ट्रेन 01704 रीवा से रात 10.20 बजे रवाना होकर इटारसी सुबह 6 बजे, नर्मदापुरम 06.33 बजे, रानी कमलापति 08.40 बजे, भोपाल 9 बजे और संत हिरदाराम नगर 09.33 बजे होते हुए अगले दिन दोपहर 3.05 बजे डॉ. आंबेडकर नगर पहुंचेगी। ट्रेन 01703 डॉ. आंबेडकर नगर से रात 9.20 बजे रवाना होकर संत हिरदाराम नगर रात 02.45 बजे, भोपाल 03.35 बजे, रानी कमलापति 03.52 बजे, नर्मदापुरम सुबह 05.18 बजे, इटारसी 05.40 बजे होते हुए उसी दिन दोपहर 1.30 बजे रीवा पहुंचेगी।

एम्स निभा रहा बच्चों को मजबूत बनाने स्वर्ण प्राशन की परंपरा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

घर परिवारों में परंपरा रही है कि बच्चों का स्वर्ण प्राशन संस्कार दादा-दादी की देखरेख में कराया जाता रहा है, चूंकि बढते शहरीकरण व व्यस्तताओं के बीच यह परंपरा केवल चुनिंदा परिवारों तक सीमित हो गई है लिहाजा परंपरा को बनाए रखने और बच्चों के फायदे को ध्यान में रखते हुए एम्स भोपाल के आयुष विभाग का हर माह पुष्य नक्षत्र के दिन स्वर्ण प्राशन संस्कार चर्चित हो गया है। इस बार 75 बच्चों को स्वर्ण भस्म की खुराक दी गई। आयुष विभाग के अनुसार, इस बार संस्कार में शामिल हुए बच्चों में 65 नए थे, जो पहली बार स्वर्ण प्राशन से लाभान्वित हुए। विभाग का कहना है कि यह प्रक्रिया बच्चों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और मानसिक विकास को प्रोत्साहित करने में सहायक होती है। उल्लेखनीय है कि स्वर्णप्राशन को सनातन धर्म के 16 संस्कारों में से एक माना जाता है। आयुर्वेद विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित अंतराल पर कराया यह संस्कार बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाता है, वहीं धार्मिक दृष्टि से यह जीवन के शुभारंभ से जुड़ा एक महत्वपूर्ण संस्कार है। जानकारों के मुताबिक नियमित और नियंत्रित तरीके से स्वर्ण प्राशन देने से बच्चों में रोग-प्रतिरोधक क्षमता में सकारात्मक प्रभाव देखा जा सकता है। एम्स में यह संस्कार निःशुल्क किया जा रहा है।

24 कैरेट सोने से बनी औषधि

माना जाता है कि बच्चों में स्वर्ण प्राशन को प्रारंभिक अवस्था में ही अपनाना चाहिए। यह औषधि मधु, गाय के घी या औषधीय घृत (ब्राह्मी घृत) के साथ मिलाकर सोने के भस्म से तैयार की जाती है। इसको बनाने में कम से कम आठ- दस घंटे लगते हैं। औषधि 24 कैरेट सोने से बनाई जाती है। इसे देने के लिए पुष्य नक्षत्र सबसे अच्छा माना गया है।

मेट्रो एंकर

त्योहार के समय आयोजन में रहवासियों को करना पड़ता है दिक्कतों का सामना करना पड़

वाहनों की पार्किंग, सीवेज से परेशान हैं चौबदारपुरा के रहवासी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

सिटी के चौक बाजार से लगा चौबदारपुरा तलैया रहवासी क्षेत्र रियासत काल का बना हुआ है। इस रहवासी क्षेत्र में करीब चार हजार मकान और 18 हजार से अधिक लोग निवासरत हैं। घनी आबदी का क्षेत्र होने के बाद भी मूलभूत सुविधाओं पर जिम्मेदार ध्यान नहीं देते हैं। संपूर्ण विकास लंबे समय से नहीं हुआ है छोटे-छोटे स्तर पर ही सुधार होते हैं।

पुराने समय की बनी सीवेज लाइन जगह-जगह से चोक पड़ी है। रहवासी अपने स्तर पर तो उन्हें सुधरवा रहे हैं, लेकिन कई जगह गंदगी समस्या बनी हुई है। पुराने समय की सड़क और विकास पर अब मल्टी स्टोरी मकान का लोड बढ़ने से सीवेज लाइन तो कई हिस्से में डैमेज हो चुकी है। लोग अपने स्तर पर इसका समाधान तो कर रहे हैं, लेकिन जहां सुधार नहीं हुआ है, वहां गंदे पानी का ओवर फ्लो रहवासियों की समस्या बना हुआ है। साइकिल के दौर की दस से 20 फीट चौड़ी सड़कों पर अब वाहनों की घरों के सामने पार्किंग तो यहां से निकलने वालों के लिए दिक्कत बनी हुई हैं। यहां के खुले धार्मिक स्थानों के परिसर भी वाहनों की पार्किंग से भरे रहते हैं। त्योहार के समय आयोजन में रहवासियों को भी दिक्कतों को सामना करना पड़ रहा है। पूरे क्षेत्र में आवारा कुत्तों की भरमार होने से रहवासियों में हादसे का भय बना रहता है।

चारों ओर निकलने का रास्ता बड़ी वजह

: तलैया रहवासी क्षेत्र के चारों ओर निकलने के मुख्य मार्ग जुड़े होने से स्थानीय लोग घूमकर जाने की जगह रहवासी क्षेत्र से निकलते हैं। ऐसे में सड़क घेरकर कोई वाहन खड़ा है तो निकलना मुश्किल हो जाता है। छोटे तालाब साइड पर इसके गिन्नौरी रोड, बड़े तालाब साइड पर रेतघाट, वीआईपी रोड, चौक से लगा इब्राहिमपुरा रोड और बुधवारा का मुय मार्ग तक यह फैला है। पार्षद का कहना है कि पार्षद निधि के बजट से डिमांड के अनुसार जो भी समस्या होती है, उसका समाधान तो हो रहा है, लेकिन पुराने रहवासी क्षेत्र में पूरे क्षेत्र के सिविल वर्क के लिए बजट हमारे पास नहीं है। कई प्रस्ताव दे चुके हैं। सफाई पूरे क्षेत्र में सुबह शाम होती है। आवारा कुत्तों की धरपकड़ की मुहिम चलवाई जाएगी। पार्किंग की दिक्कत तो है,रहवासी भी सड़क छोड़कर वाहन पार्क करने पर ध्यान दे रहे हैं। लोगों ने बताया कि पूरे क्षेत्र में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ने से रहवासी परेशान हैं। मुझे भी काट चुके हैं। रात में यह झुंड में बैठे रहते हैं। निकलने वाले वाहन चालकों पर दौड़ लगा देते हैं। नगर निगम ध्यान नहीं दे रहा है। रियासत के दौर की बनी इस कॉलोनी में लोगों ने मकान मल्टी स्टोरी बना लिए हैं, जिसमें आने-जाने वालों के वाहन सड़क पर पार्क होने से कई बार लोगों को निकलना मुश्किल हो जाता है। रहवासियों ने बताया कि नवाब भोपाल के दरबार में बड़े पदों पर कार्यरत रहे दीवान, चौबदार इस क्षेत्र में रहने से इस क्षेत्र को अलग पहचान मिली। ठाकुर हरिसिंह रियासत में चौबदार थे। उनके यहां बसने से तलैया का नाम चौबदारपुरा तलैया हो गया। उनके बसने के बाद अन्य लोग यहां आकर बसते गए। सिटी के बाजारों और चारों ओर मुख्य मार्गों से घिरे इस क्षेत्र में लोगों ने मकानों को मल्टी स्टोरी तो बना ली, लेकिन पुराने समय के विकसित मार्ग चौड़े नहीं होने से लोगों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। बड़ा क्षेत्र होने के कारण पुलिस थाना भी तलैया नाम से हैं। गणेश उत्सव, दुर्गा उत्सव की झांकियां भी प्रसिद्ध हैं।

आठ लाख समग्र आईडी होगी रद्द

भोपाल. अगले तीन माह में जिले में आठ लाख समग्र आइडी रद्द होगे। यहां एक व्यक्ति एक आईडी के तहत स्थिति लानी है। इस समय करीब 34 लाख समग्र आइडी है। अप्रेल से अगस्त तक 11 लाख से अधिक समग्र आइडी रद्द की गई। बावजूद इसके अब भी आबादी की तुलना में करीब आठ लाख अधिक है। खाद्य एवं आपूर्ति समेत जिला प्रशासन व निगम प्रशासन को ई-केवायसी के माध्यम से समग्र आइडी को आबादी के अनुसार लाने का कहा गया है। अतिरिक्त आइडी से सरकारी योजनाओं- सुविधाओं का दोहरा लाभ व दुरूपयोग की स्थिति है। गौरतलब है कि अप्रेल 2025 में जिले में 45 लाख समग्र आइडी थी। मामले में खाद्य एवं आपूर्ति जिलाधिकारी चंद्रभानसिंह जादौन ने कहा कि ई-केवायसी की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। समग्र के साथ राशन कार्ड भी जांच के दायरे में है। इसे हम जल्द पूरा करवा रहे हैं।

ग्लोबल स्पिरिचुअल कॉन्क्लेव- रूह-मान्टिक में सीएम

मंदिर भी लोकतंत्र का आधार, दोनों संसद भवन की डिजाइन विदिशा के मंदिरों के आधार पर बनी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि पुराने संसद भवन के डिजाइन की प्रेरणा मुरैना के चौसठ योगिनी मंदिर से ली गई है, जबकि नए संसद भवन का मॉडल विदिशा के बीजा मंडल मंदिर के आधार पर बना है। यह दिखाता है कि हमारे मंदिर भी लोकतंत्र का आधार बन सकते हैं। उज्जैन में दूसरी ग्लोबल स्पिरिचुअल कॉन्क्लेव- रूह-मान्टिक को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर सीएम ने देशभर के प्रतिनिधियों के साथ राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस कर प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन के प्रभाव और उपलब्धियों से अवगत करवाया। उन्होंने प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ाने और गतिविधियों को संचालित करने का आग्रह किया। कॉन्क्लेव में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है। उज्जैन में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। पहले जितने लोग सालभर में आते थे, उतने अब एक से डेढ़ हफ्ते में आ जाते हैं।

जो प्रतिद्वंदी थे,अब अनुगामी बने

सीएम ने कहा कि उज्जैन काल गणना की नगरी है। आज भारत का समय है और पूरी दुनिया भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रही है। पहले दुनिया के जो देश भारत से प्रतियोगिता कर रहे थे, आज वे सभी खुद को भारत के अनुगामी हैं। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण ने अनेक कलाएं और विद्या ग्रहण कीं। आत्म चिंतन के लिए भारत से अच्छा दुनिया में कोई स्थान नहीं है। आज देश की सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन धर्म और संस्कृति की कोई सीमा नहीं हैं।

चीता कॉरिडोर में हाईवे निर्माण को लेकर एनएचएआई और कूनो पार्क प्रबंधन में ठनी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्य प्रदेश में चीतों के रहवास कूनो नेशनल पार्क से राजस्थान के सवाई माधोपुर के बीच अघोषित चीता कॉरिडोर में निर्माणाधीन हाईवे को लेकर कूनो पार्क प्रबंधन व राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के बीच ठन गई है। दोनों विभागों के बीच वार्ता असफल होने के बाद हाईवे निर्माण कार्य को रोक दिया गया है। अब विवाद सुलझाने के लिए सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र सिंह के बीच इस मसले पर वार्ता हो सकती है।

बता दें कि कूनो नेशनल पार्क के खुले जंगल में छोड़े गए चीते कई बार मप्र से राजस्थान के सवाई माधोपुर के जंगल तक चले गए, जिन्हें ट्रैंकुलाइज कर वापस लाया गया। इसके बाद से वन विभाग चीता कॉरिडोर की वकालत कर रहा है। हालांकि अभी कॉरिडोर घोषित नहीं है। इसी क्षेत्र में श्योपुर में मुरैना से होते हुए राजस्थान के सवाई माधोपुर को जोड़ने के लिए गोरस-श्यामपुर नेशनल हाईवे(552) का निर्माण चल रहा है। करीब 209 करोड़ की लागत से बन रहे 63.400 किलोमीटर लंबे हाईवे के निर्माण पर कूनो नेशनल पार्क ने आपत्ति कर दी है।

32 किमी का क्षेत्र चीता कॉरिडोर

पार्क प्रबंधन का कहना है कि हाईवे का 32 किलोमीटर क्षेत्र चीता कॉरिडोर है। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क और राजस्थान के कैलादेवी अभयारण्य के बीच का ये हिस्सा वाइल्डलाइफ कॉरिडोर के रूप में संरक्षित है, यही वजह है कि हाईवे निर्माण के लिए एनओसी की जरूरत है। इसमें कूनो नेशनल पार्क एलिवेटेड रोड (लंबे पुल वाली सड़क) की मांग कर रहा है। ताकि चीतों या वन्यजीवों की आवाजाही पुल के नीचे से निर्बाध हो सके। जबकि एनएचएआई का कहना है कि यह हाईवे निर्माण की कार्ययोजना में नहीं है। एनएचएआई ने दलील दी है, कार्ययोजना के मुताबिक ढाई सौ मीटर की एलिवेटेड सड़क ही बना सकते हैं।

कार्य योजना के मुताबिक काम कर रहे हैं

हाईवे बनाने से पहले कूनो प्रबंधन की अनुमति विधिवत ली गई थी। अनुमति में एलिवेटेड रोड जैसी शर्त नहीं है। हम कार्ययोजना के मुताबिक ही काम कर रहे हैं।

जल्द दो और ऐसे रिजर्व बनाने की तैयारी

पहला कंजर्वेशन रिजर्व तैयार,वाइल्ड लाइफ को मिलेगा 'सेफ कॉरिडोर'

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र में पहला फारेस्ट कंजर्वेशन रिजर्व अब बैतूल जिले में तैयार हो गया है। इसका नाम ताप्ती कंजर्वेशन रिजर्व रखा गया है। अब राज्य सरकार ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। यह रिजर्व सतपुड़ा टाइगर रिजर्व व मेलघाट टाइगर रिजर्व (महाराष्ट्र) को जोड़ने वाले वन्यजीव कॉरिडोर की सुरक्षा करेगा। ताप्ती, चिचोली और तावड़ी फॉरेस्ट रेंज मिलाकर इसे गठित किया गया है। यह देश का पहला कंजर्वेशन रिजर्व है जो दो टाइगर रिजर्व को जोड़ता है।

दरअसल, मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता वाले स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड ने तीन महीने ऐसे रिजर्व के लिये फैसला किया था। यह रिजर्व बैतूल, भीमपुर और भैंसदेही तहसीलों के जंगलों में फैला है। कुल क्षेत्रफल 250 वर्ग किलोमीटर है। इसमें 224.844 वर्ग किमी रिजर्व फॉरेस्ट और 25.156 वर्ग किमी प्रोटेक्टेड फॉरेस्ट शामिल हैं। बताया जाता है कि इसका सुझाव प्रदेश भाजपाध्यक्ष व स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड सदस्य हेमंत खंडेलवाल ने बोर्ड की मार्च में हुई बैठक में दिया था।

बाद में मई की बैठक में इसे मंजूरी मिली थी। जानकारी के मुताबिक मप्र में जल्द दो और नए कंजर्वेशन रिजर्व बनेंगे। पहला बालाघाट का सोनेवानी होगा जो 163.20 वर्ग किमी का रहेगा तथा कान्हा और पेंच टाइगर रिजर्व को जोड़ने वाला कॉरिडोर होगा। जबकि दूसरा रिजर्व गुना का राघौगढ़ रहेगा जो करीब 115 हेक्टेयर क्षेत्रफल का होगा।

पहला ऐसा रिजर्व तमिलनाडु में

बताया जाता है कि अब तक देश का पहला कंजर्वेशन रिजर्व तमिलनाडु का तिरुविदैमरुदुर है। यह 2005 को घोषित किया गया था तथा तिरुविदैमरुदुर गांव के प्राचीन शिव मंदिर परिसर में 7 एकड़ जमीन पर मौजूद है। भारत में कुल 115 कंजर्वेशन रिजर्व हैं, इनमें सर्वाधिक 33 जम्मू-कश्मीर में, 21 राजस्थान में, 17 कर्नाटक और 15 महाराष्ट्र में हैं। इनका कुल क्षेत्रफल 5548.75 वर्ग किमी है। अधिकारियों का कहना है कि इसमें स्थानीय लोगों के वनोपज संग्रह के अधिकार यथावत रहेंगे। मप्र का ताप्ती रिजर्व में टाइगर व लेपर्ड के मूवमेंट का सबसे अहम कॉरिडोर है।

दबंगई के विरोध में आंदोलन की बनाई योजना

कलेक्टर-विधायक भिडंत से सरकारी अमला नाराज, चौधरी बोले-रेत चोरी असल वजह

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

कलेक्टर और विधायक के बीच की भिडत का मामला राजधानी के राजनीतिक गलियारों में भी सुर्ख हो गया है। दरअसल कल भिंड विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह द्वारा कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के साथ उनके घर पहुंचकर अभद्रता और धमकी देने का मामला तूल पकड़ चुका है। विधायक कुशवाह के बर्ताव से सरकारी अमले में आक्रोश है। विशेष रूप से राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने विधायक की दबंगई के विरोध में आंदोलन की योजना बनाई है। आज जिलेभर में कर्मचारी संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। उधर पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चौधरी राकेश सिंह चतुर्वेदी ने कहा, खाद का मुद्दा सिर्फ बहाना है। असली वजह रेत चोरी है। जब कलेक्टर ने इस अवैध गतिविधि को रोका, तो विधायक बौखला गए। पूर्व मंत्री ने कहा कि यह कोई पहली बार नहीं है, जब उन्होंने ऐसा किया हो। इससे पहले भी विधायक एक आईपीएस अफसर से उलझ चुके हैं। वहीं, जिला प्रशासन के विभिन्न कर्मचारी संगठनों में घटनाक्रम को लेकर नाराजगी है। आज जिलेभर में सरकारी अमला विरोध प्रदर्शन करेगा। उल्लेखनीयहै कि बुधवार को विधायक कुशवाह कलेक्टर निवास पहुंचे थे। यहां खाद संकट के मुद्देपर बात करते हुए गाली-गलौज की। मुक्का बांधकर धमकाया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, उन्होंनेकलेक्टर के खिलाफ अपशब्द कहे और माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। इस दौरान कलेक्टर नेभी विधायक से तल्ख शब्द में बात कहीं थीं। बाद में कुशवाह धरने पर बैठ गये थेलेकिन शाम को सीएम कार्यालय से हस्तक्षेप किया गया। वहीं प्रभारी मंत्री की समझाईश के बाद कुशवाह धरने से उठे।

29 अगस्त तक होंगे ऑनलाइन पंजीयन

एनसीटीई पाठ्यक्रम में प्रवेश में लिए तीसरा अतिरिक्त चरण शुरू

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

उच्च शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए एनसीटीई पाठ्यक्रम संचालित करने वाले सरकारी,अनुदान प्राप्त अशासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए तृतीय अतिरिक्त चरण की समय सारणी जारी की है।

समय सारणी के अनुसार, एनसीटीई पाठ्यक्रम में प्रवेश में लिए विद्यार्थी 29 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीयन/आवेदन कर सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 30 अगस्त तक होगा। प्रवेश के लिये मेरिट सूची का प्रकाशन 1 सितंबर को होगा। विद्यार्थियों के लिए 2 सितंबर

को सीट आवंटन जारी किया जाएगा। आवंटित हेल्प सेंटर पर मूल दस्तावेजों (टीसी, माइग्रेशन) के साथ भौतिक सत्यापन के लिए विद्यार्थियों को उपस्थित होकर 2 से 4 सितंबर तक लिंक इनिशिएट कराना होगा। विद्यार्थियों को आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 2 से 6 सितंबर तक करना होगा। आवंटित महाविद्यालय में शुल्क के भुगतान की अंतिम तिथि 6 सितंबर है। प्रवेश शुल्क का भुगतान कर चुके आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा। विद्यार्थियों का प्रवेश के लिए यह अन्तिम चरण होगा।

बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने सपरिवार माता मंदिर जाकर गणेश जी प्रतिमा ख़रीदी। उन्होंने ईको फ्रेंडली मिट्टी की आकर्षक प्रतिमा ख़रीदी और स्वदेशी को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन की प्रसिद्ध श्री सांवरिया कचोरी का लिया स्वाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन प्रवास के दौरान ढाबा रोड स्थित उज्जैन की सुप्रसिद्ध श्री सांवरिया कचौरी भंडार पर कारकेड रुकवाकर कचौरी खाई और उसकी सराहना की। साथ ही संबंधित दुकानदार से चर्चा भी की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आग्रह किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप प्रदेश के सभी नागरिक लोकल उत्पादों को प्राथमिकता देकर प्रोत्साहन दें, जिससे देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी।

दुकान पर कारकेड रुकवाकर खाई कचौरी

1 सितंबर से हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम

भोपाल, दोहपर मेट्रो

हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान के संकल्प वाचन के पोस्टर का विमोचन मंगलवार को स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह द्वारा मंत्रालय में किया गया। इस अवसर पर मप्र शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर, संभागीय अध्यक्ष विकास सिंह चौहान, जिला अध्यक्ष नागेश पांडे संभागीय संगठन मंत्री देवी दयाल भारती सह संगठन मंत्री राजीव शर्मा, प्रांतीय सचिव संध्या नाइक सहित अन्य उपस्थित रहे।?प्रदेश अध्यक्ष डॉ राठौर ने बताया संपूर्ण देश में 5 लाख से अधिक विद्यालयों में एवं प्रदेश के लगभग एक लाख विद्यालयों में एक सितंबर को यह कार्यक्रम प्रार्थना के समय आयोजित किया जाने वाला है।?जिसमें विद्यालयों के लाखों शिक्षक एवं करोडों छात्र मिलकर साझा संकल्प लेंगे कि उन्हें अपने-अपने विद्यालय पर गर्व है और हम अपने विद्यालय को शैक्षणिक गुणवत्ता से परिपूर्ण करते हुए। छात्रों में नैतिक एवं चारित्रिक संस्कारों का समावेश करें, चाहे पर्यावरण अथवा नवाचार हो महापुरुषों की जीवन गाथाएं हों एवं जो भी संसाधन उपलब्ध होंगे उनके आधार पर हम अपने विद्यालय को सर्वश्रेष्ठ एवं उत्तम बनाकर परीक्षा परिणाम भी 100 प्रतिशत लाकर प्रत्येक छात्र को सामाजिक सरोकार तथा अपने देश एवं समाज के प्रति संवेदनशील बनाएंगे।?

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के सानिध्य में कार्यक्रम ?

मेट्रो एंकर

लता अमरबेल पीलिया के इलाज में भी हो सकती है कारगर

इलाज की राह खोलेगा भोपाल आयुर्वेद संस्थान, रिसर्च शुरू

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्य भारत के वनों और गांवों में बहुतायत से पाई जाने वाली लता अमरबेल पीलिया के इलाज में भी कारगर हो सकती है। भोपाल के पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेदिक संस्थान ने अपने शुरुआती अध्ययन में इसमें पीलियारोधी गुण पाया है। इसको वैज्ञानिक आधार देने के लिए संस्थान ने विस्तृत शोध की योजना तैयार की है।

अमरबेल का वनस्पति विज्ञानी नाम कस्कूटा रिफ्लेक्सा है। यह बिना पत्तियों वाली परजीवी लता है जो दूसरे पेड़ों के ऊपर पनपती है। उन्हीं के तने से पोषण लेती है, इसकी वजह से इसमें उस पेड़ से संबंधित रसगुण आ जाते हैं। प्राचीन आयुर्वेद ग्रंथों चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, भावप्रकाश निघंटु आदि में इसके गुणों का विस्तृत वर्णन है। मधुमेह, खांसी, पाचन संबंधी विकारों, व त्वचा रोगों और रक्त दोष के उपचार के लिए इस लता को औषधि के तौर पर उपयोग किया जाता रहा है।

आयुर्वेद संस्थान के अध्ययन में यह बात सामने आई कि कुछ समुदाय पीलिया के उपचार के लिए इसके काढ़े का प्रयोग करते हैं। इसकी पुष्टि के बाद इसके पीलियारोधी गुणों को वैज्ञानिक आधार देने के लिए विस्तृत शोध की योजना बनी है। इनमें इसकी एंटी इंफ्लेमेटरी (सूजन कम करने की क्षमता), एंटी-वायरल (वायरस से लड़ने वाली) और लीवर प्रोटेक्टिव (जिगर की रक्षा करने वाली) क्षमताओं को परखा जाएगा। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि अमरबेल रक्त शुद्धिकरण में किस हद तक मददगार है। संस्थान में द्रव्यगुण विभाग की प्रमुख डॉ. अंजली जैन ने बताया कि रिसर्च की रूपरेखा तैयार कर ली गई है।

ज्ञान को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणिक करना है उद्देश्य

हमारा उद्देश्य पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित करना है। शोध के नतीजे सामने आने के बाद अमरबेल आधारित दवाओं को आधुनिक चिकित्सा पद्धति में भी शामिल करने की संभावनाएं बढ़ेंगी। - डॉ. उमेश शुक्ला, प्राचार्य, पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद कॉलेज।

संपादकीय

मुश्किलें सुलझने के आसार कम

प्रत में अमेरिका के नए राजदूत और दक्षिण एवं पश्चिम एशियाई मामलों का विशेष दूत बनाए गए सर्जियो गोर के चलते भारत के लिए कुछ नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। वजह यह है कि भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध नाजुक दौर से गुजर रहे हैं, ऐसे में ट्रंप के बेहद करीबी माने जाने वाले गोर की नियुक्ति से हालात और जटिल हो सकते हैं। व्हाइट हाउस में कार्मिक मामले के विभाग के प्रमुख गोर की नियुक्ति को अभी अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट की मंजूरी बाकी है। लेकिन यह नियुक्ति कई कारणों से चौंकाती है क्योंकि महज 38 वर्षीय गोर को कूटनीति या विदेश मामलों का अनुभव नहीं है। व्हाइट हाउस में अपना रुतबा जमाने से पहले गोर रिपब्लिकन पार्टी के कई दिग्गज राजनीतिज्ञों के साथ काम कर चुके थे। उसके बाद वह पार्टी के 'मागा' (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) गुट के साथ जुड़ गए। डॉनल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति बनाने के अभियान को समर्थन देने वाले शुरुआती लोगों में गोर भी शामिल रहे थे। गोर ने एक राजनीतिक कार्य समिति का संचालन किया और ट्रंप की कई पुस्तकें भी प्रकाशित कीं। ट्रंप के प्रति उनकी निष्ठा के दम पर राष्ट्रपति कार्यालय में गोर की धाक जम गई जहां उन्हें संघ सरकार में महत्त्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों के लिए उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि खंगालने की जिम्मेदारी मिली। गोर राष्ट्रपति ट्रंप के सर्वाधिक भरोसेमंद लोगों में शुमार हो गए। हालांकि कुछ मत उभरे हैं कि ट्रंप के करीबी होने के कारण गोर भारत के लिए एक अच्छा अवसर हैं तथा गोर को जरिया बनाकर भारत व्हाइट हाउस के साथ व्यापार वार्ता में लाभ उठा सकता है। हालांकि, यह महज एक आशावादी नजरिया हैं, गोर को व्यापार मुद्दे पर टीका-टिप्पणी करते कभी नहीं देखा गया है। फिर कैसे उम्मीद की जाए कि भारत में तैनात होने के बाद वे ट्रंप के रुख से अलग कोई नजरिया अपनाएंगे। ट्रंप कह चुके हैं कि नवनियुक्त राजदूत का मकसद 'अमेरिका को फिर श्रेष्ठ बनाना' है। गौरतलब है कि एकतरफा व्यापार सौदा 'मागा' की रणनीति का एक हिस्सा रहा है। मगर एक और बात अजीब है, कि विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि उन्होंने गोर की नियुक्ति के बारे में 'पढ़ा' है और उन्होंने अधिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। संभव है कि गोर की नियुक्ति के संबंध में स्थापित कूटनीतिक औपचारिकताओं एवं परंपराओं का पालन नहीं हुआ हो। माना जाता है अधिकांश देश किसी देश में अपने राजनयिक भेजने से पहले एक-दूसरे से बात करते हैं। यह राजनयिक संबंधों की बुनियादी जरूरत समझी जाती है। इस मामले में इस परंपरा को दरकिनार किया जाना चिंता की बात है क्योंकि गोर दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया के विशेष दूत भी होंगे। गोर को अलग से दी गई यह जिम्मेदारी न केवल भारत और पाकिस्तान को समान ओहदा दिए जाने का संकेत दे रही है बल्कि बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान सहित भारत के पड़ोसी मुल्कों के साथ संबंधों में भी अमेरिका के दखल देने की आशंका बढ़ गई है। गौरतलब है कि वर्ष 09 में भारत ने ओबामा कार्यकाल में रिचर्ड हॉलब्रूक को भारत और पाकिस्तान के लिए विशेष दूत का पद दिया जाना अस्वीकार कर दिया था। भारत की आपत्ति के बाद हॉलब्रूक को पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान के लिए अमेरिका का विशेष दूत बनाया गया।मगर अब जैसे गोर की नियुक्ति की गई है, उससे आशंका है कि अमेरिका के साथ भारत के संबंधों में खटास या खिंचाव जल्द दूर नहीं होगा।

सुविचार

'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो।'

- अज्ञात

कविता

रहना है विवादित !

- कृष्णेन्द्र राय

रह रह कर जिह्वा से ।
आते हैं बयान ।।
रहना है विवादित ।
इसी में सम्मान ।।
छोड़ कर सब काम ।
किए एजेंडा तय ।।
पकड़ लिए हैं अपनी ।
जो पुरानी लय ।।
है नज़दीक चुनाव ।
चर्चा में अब रहना ।।
बोल कर कुछ बोल ।
है आगे टहलना ।।
रोटी पानी बनी रहे ।
है उसका जुगाड़ ।।
हल्की फुल्की इसलिए ।
दिखती ये दहाड़ ।।

आज का इतिहास

- 1521 - तुर्की के सुल्तान सुलेमान प्रथम के सैनिकों ने बेलग्रेड पर क़ब्ज़ा किया।
- 1600 - मुग़लों ने अहमदनगर पर क़ब्ज़ा किया।
- 1845 - प्रसिद्ध पत्रिका साइंटेफिक अमरीकन का पहला संस्करण छपा।
- 1858 - उंगलियों के निशान को पहचान बनाने वाले ब्रिटिश विलियम जेम्स हर्शेल का जन्म हुआ।
- 1904- कलकत्ता से बैरकपुर तक प्रथम कार रैली का आयोजन
- 1914 - प्रथम विश्व युद्ध की शुरुआत हुई।
- 1916...प्रथम विश्वयुद्ध में इटली ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1956 - इंग्लैड ने ऑस्ट्रेलिया को हटाकर एशेज पर कब्जा जमाया।
- 1972- साधारण बीमा कारोबार राष्ट्री यकरण बिल पारित किया गया
- 1984 - सोवितय संघ ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
- 1986 - भाग्यश्री साठे शतरंज में ग्रैंडमास्टर बनने वाली पहली महिला बनी।
- 1990 - ईराक ने कुवैत को अपना 19वाँ प्रान्त घोषित किया।
- 1996 - इंग्लैंड के प्रिंस चालर्स और उनकी पत्नी डायना ने औपचारिक तौर पर तलाक लिया।
- 1999 - मेजर समीर कोतवाल आसाम में उग्रवादियों के एक गुट के साथ लडाई में शहीद हो गये।
- 2000 - ताइवान के राष्ट्रपति चुने शुई बियान द्वारा चीन के साथ एकीकरण के विकल्प को स्वीकार करने का संकेत, संयुक्त राष्ट्र में सहस्त्राब्दि विश्व धार्मिक शिखर सम्मेलन शुरू।
- 2001 - भारत-पाक सीमा पर गोलीबारी, पाकिस्तान के 8 सैनिक मरे।
- 2006 - दुनिया की सबसे बड़ी महिला मारिया एस्टर डी. कापोविला का इक्वेडोर में निधन।
- 2008- भारतीय रिजर्व बैंक ने 1999 और 2000 के सभी नोटो को प्रचलन से हटाने का निर्णय किया।
  प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने बिहार में आए बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया।
  अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध मैगजीन फोर्ब्स ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मायावती को दुनिया की 100 सबसे शक्तिशाली महिलाओं में शामिल किया।
- 2013 - गुजरात के वडोदरा शहर में तीन मंजिला इमारत ढहने से 11 लोगों की मौत।
- 2017- पी.वी. सिंधु ने बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप में रजत जीता।
- 1992 - अन्नू रानी - कॉमनवेल्थ गेम्स, 2022 में भारत के लिये कांस्य पदक जीतने वाली खिलाड़ी हैं।
- 1975 - अनुज नय्यर - मरणोपरांत सर्वोच्च वीरता पुरस्कार %महावीर चक्र% से सम्मानित भारतीय सैन्य अधिकारी थे।
- 1952 - जगदीश सिंह खेहर - भारत के 44वें मुख्य न्यायाधीश हैं।
- 1942 - नरेंद्र चंद्र देबबर्मा- एक भारतीय राजनीतिज्ञ थे, जो इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ़ त्रिपुरा के अध्यक्ष और ऑल इंडिया रेडियो, अगरतला के निदेशक रहे।
- 1929 - राजेंद्र यादव, प्रसिद्ध आधुनिक साहित्यकार
- 1928 - विलायत ख़ाँ - भारत के प्रसिद्ध सितार वादक
- 1928 - एम.जी.के. मेनन - %भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन% (इसरो) के भूतपूर्व अध्यक्ष।
- 1926 - टी. वी. राजेश्वर - उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम के पूर्व राज्यपाल रहे।
- 1922 - विजया देवी - भारतीय राजकुमारी थीं।
- 1913 - आबिदा सुल्तान, भोपाल सियासत की राजकुमारी एवं भारत की पहली महिला पायलट।
- 1932 - सरस्वती प्रसाद, चर्चित लेखिका, सुमित्रानंदन पंत की मानस पुत्री।
- 1896 - फ़िराक़ गोरखपुरी प्रसिद्ध उर्दू शायर
- 1855 - नारायण गुरु - भारत के महान संत एवं समाज सुधारक थे।

मानसून के लिए नई रणनीति बनाने की जरूरत

■ श्रवण प्रभु

दक्षिण-पश्चिम मानसून को भारत की जल और खाद्य तंत्र की रीढ़ कहा जाता है, जो जून से सितंबर के बीच देश में लगभग तीन-चौथाई वार्षिक वर्षा लाता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इस साल सामान्य से अधिक मानसून का अनुमान लगाया है। लेकिन इसमें सिर्फ यही मायने नहीं रखता है कि कुल कितनी बारिश हुई, बल्कि यह भी अहम है कि कब, कहां और कैसी बारिश हुई है। जलवायु परिवर्तन ने बारिश के पैटर्न को अनियमित बनाया है। वर्ष 2025 में अब तक का मानसून पूरे देश में भारी और कम वर्षा की विरोधी घटनाओं से भरा हुआ है। जुलाई में अच्छी बारिश ने खरीफ की बुवाई को तेज कर दिया, माह के अंत तक 70.8 मिलियन हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में बुवाई हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से 4.1 प्रतिशत अधिक रही। दूसरी तरफ केरल, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों को अत्यधिक बारिश से जूझना पड़ा है, जिससे अचानक बाढ़ की घटनाएं सामने आई हैं।सीईईडब्ल्यू के एक अध्ययन में पाया गया कि 55 प्रतिशत तहसीलों में जून से सितंबर के बीच कुल बारिश बढ़ी है। खास बात यह कि यह बढ़ोतरी भारी बारिश वाले दिनों की संख्या बढ़ने से हुई है।नेचर में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार पिछले चार दशकों में प्रति घंटे बारिश के पैटर्न की पड़ताल में सामने आया है कि मध्य भारत में कम समय में भारी बारिश और उत्तर-पश्चिमी तट पर लंबे समय तक भारी बारिश की घटनाएं अधिक संख्या में हो रही हैं।

पिछले दो दशकों में भारत सरकार और राज्य सरकारों ने मौसम पूर्वानुमान प्रणालियों में उल्लेखनीय रूप से निवेश किया है और देश व राज्यों के स्तर पर जलवायु कार्य योजनाएं शुरू की हैं। जिस तरह से जलवायु परिवर्तन बढ़ रहा है, और बारिश में तेजी से अनियमितता आ रही है, इसका सामना करने की क्षमता विकसित करने में ये तीन कदम सहायक हो सकते हैं। पहला, शहरों को बीते कल के औसत के लिए नहीं, बल्कि आज के तूफानों के लिए योजना बनानी चाहिए। शहरी स्थानीय निकायों को बाढ़ का सामना करने के लिए बनाई जाने वाली योजना का दोबारा मूल्यांकन करना चाहिए। पारंपरिक बाढ़ प्रबंधन इस ऐतिहासिक डेटा पर निर्भर करता है कि कितनी बार और कितनी भारी बारिश हुई है, जिसे तूफानी घटनाओं की तीव्रता-अवधि-आवृत्ति कहा जाता है। लेकिन अब यह विश्वसनीय नहीं रह गया है, क्योंकि तापमान बढ़ने के साथ हवा में नमी की मात्रा बढ़ जाती है, जिसका मतलब लंबे समय तक सूखा पड़ना और फिर बहुत तेज बारिश होना है। महाराष्ट्र के ठाणे में पुराने जल-निकासी तंत्र (ड्रेनेज सिस्टम) को एक घंटे की अधिकतम बारिश को संभालने के लिए नहीं बनाया गया था, जबकि बीते एक दशक में औसतन बारिश 64 मिमी प्रति घंटा रही है। (संदर्भ के लिए, 100 मिमी प्रति घंटा बारिश को बादल फटना माना जाता है।) इसे समझते हुए, ठाणे नगर निगम ने अपने बाढ़ के खतरे के अनुमानों में बदलाव किया है और अब अपने तूफानी जल-निकासी वाले नालों (स्टॉर्म वॉटर ड्रेन्स) को फिर से बना रहा है। भारत के अन्य शहरों को भी ऐसा करना चाहिए। दूसरा, को नए सिरे से व्यवस्थित करना, जलवायु-अनुकूल बीज उपलब्ध कराना, और किसानों की सुरक्षा के लिए आकस्मिक योजनाओं का निर्माण शामिल होना चाहिए। तीन, स्थानीय स्तर पर मौसम के अधिक सूक्ष्म आंकड़ों को जुटाने में निवेश करें और उनके उपयोग की क्षमता बढ़ाएं। स्थानीय स्तर पर बेहतर प्रतिक्रिया देने और इन पूर्वानुमानों और अधिक उन्नत बनाने के साथ मानसून पूर्व-आकलनों को दूरदर्शी बनाने के लिए हमें और

किसानों को अपने फसल कैलेंडर को अपडेट करने की जरूरत है। बारिश के बदलते पैटर्न के साथ, राज्यों और केंद्रीय कृषि विभागों और मौसम विज्ञान एजेंसियों को मिलकर फसल कैलेंडर को अपडेट करना चाहिए, खास तौर पर जिन क्षेत्रों में वर्षा आधारित खेती होती है।

अध्ययन से पता चलता है कि अनिश्चित मानसूनी बारिश विशेष रूप से धान, मक्का और दालों जैसी प्रमुख फसलों के बुवाई और कटाई के मौसम को बदल रही है। वहीं, भारत की आधी से अधिक तहसीलों में अक्तूबर महीने में बारिश में वृद्धि देखी गई, जिससे फसलों की कटाई प्रभावित होती है। परंपरागत रूप से फसल का नुकसान होने पर राहत भुगतान की शुरुआत हो जाती है। लेकिन एक अधिक दूरदर्शी दृष्टिकोण में फसल चक्रों अधिक सूक्ष्म या बारीक आंकड़ों की जरूरत है। डॉपलर रडार और स्वचालित मौसम स्टेशनों के नेटवर्क में विस्तार, जैसा कि मिशन मौसम के तहत परिकल्पित है, स्थानीय पूर्वानुमानों में सुधार ला सकता है। आईएमडी का भारत फोरकास्टिंग सिस्टम एक सही कदम है।जलवायु परिवर्तन ने मानसून के पैटर्न में बदलाव किया है और भारी बारिश की घटनाओं को बढ़ाया है, भारत की नीतियों, योजनाओं और डेटा प्रणालियों को इसके साथ तालमेल बनाना चाहिए। लचीलापन विकसित करने का अर्थ है कि आसमान अभी हमें जो बता रहा है, उसके अनुरूप खुद को ढालना है, न कि पहले से क्या करते आ रहे थे, उसे दोहराना।

साभार: लेखक काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर से जुड़े हैं।

गणेशोत्सवः सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक संदेश

■ डॉ. राघवेंद्र शर्मा

गणेश चतुर्थी का महा उत्सव शुरू होते ही चारों और उत्साह का वातावरण देखने को मिल रहा है। झांकियों के बड़े-बड़े पंडाल सजाए जा रहे हैं। जाहिर है चतुर्थी के दिन गणपति बप्पा पधार रहे हैं। झांकियां में तो उनके दर्शन होंगे ही, व्यक्तिगत स्तर पर घरों में भी इनकी स्थापना होने जा रही है। जैसा कि पहले से ही सब जानते हैं यह उत्सव क्रमशः डोल ग्यारस और अनंत चतुर्दशी तक मनाया जाता है। मान्यता है कि गणपति बप्पा की छोटी मूर्तियां जो घरों में स्थापित की जाती हैं, उनका विसर्जन डोल ग्यारस के दिन हो जाना चाहिए। जबकि झांकियां में स्थापित बड़ी मूर्तियों को अनंत चतुर्दशी के दिन विसर्जित किए जाने का प्रावधान है। छोटे बड़े शहरों और महानगरों में ऐसा देखने को भी मिलता है उदाहरण के लिए महाराष्ट्र का गणेश उत्सव प्रमुख है। वहां भी छोटे गणपति डोल ग्यारस को और बड़े गणपति अनंत चतुर्दशी के दिन विसर्जित किए जाते हैं। मुंबई में तो अनंत चतुर्दशी के दिन जब बड़ी-बड़ी प्रतिमाएं समुद्र की ओर प्रस्थान करती हैं, तब दृश्य देखने योग्य होता है। चारों ओर लाखों दर्शनार्थियों की भीड़ होती है, जिसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा विशेष इंतजाम किए जाते हैं। इन दृश्यों को निहारने के लिए केवल भारत से ही नहीं विदेशों से भी पर्यटक आते हैं और इन सुंदर फलों को अपने कमरे में कैद कर लेते हैं। अब बात करते हैं गणेश जी को समर्पित यह त्यौहार क्यों मनाया जाता है। सर्व विदित है कि गणेश चतुर्थी दर असल गणपति बप्पा का जन्मदिन ही है। उनके जन्म को लेकर अनेक कथाएं प्रचलन में हैं। कुछ लोग उन्हें केवल और केवल माता पार्वती का पुत्र बताते हैं। जिनका शीश शंकर जी द्वारा काटे जाने पर उन्हें हाथी का सिर लगाकर पुनः जीवित किया गया। एक कथा यह भी प्रचलन में है कि जब गणेश जी के जन्म के बाद समस्त देवता उन्हें देखने आ रहे थे, तब शनिदेव भी वहां पहुंचे। लेकिन उन्होंने गणेश जी के दर्शन नहीं किये। माता पार्वती के बार-बार आग्रह किये जाने पर आखिर उन्होंने गणपति बप्पा पर अपनी दृष्टि डाल दी। बताया जाता है कि उनकी दृष्टि पड़ते ही गणेश भगवान का सिर धड़ से अलग हो गया। बाद में हाथी का शीश लगाकर गणेश जी को पुनर्जीवित किया गया। इस घटना से माता पार्वती बेहद गुस्सा हुईं और विकराल रूप धारण कर सृष्टि का

संहार करने निकल पड़ीं । तब श्रेष्ठ देवगण श्री विष्णु जी, श्री ब्रह्मा जी और श्री शंकर जी ने उनका गुस्सा यह कहकर शांत किया कि आज से गणेश जी गजानन के रूप में जाने जाएंगे और उन्हें समस्त देवताओं से पहले पूजा जाएगा। यहां तक कि माता सरस्वती और दूसरों द्वारा यह आश्वस्त किया गया कि गणेश जी सदैव हमारे साथ सुशोभित रहेंगे और जहां-जहां हमारा पूजन होगा वहां गणेश जी को भी आवश्यक रूप से पूजा जाएगा। गणेश जी अपनी विशिष्ट आकृति के लिए भी जाने जाते हैं। उनके कान बड़े हैं जो सीख देते हैं कि हमें सब की बात सुनने का बड़प्पन रखना चाहिए। जबकि बड़ा पेट यह दर्शाता है कि हमारा हाजमा केवल खाने को पचाने के मामले में ही नहीं, बल्कि अपनी आलोचना, निंदा और निंदनीय बातों को पचाने में भी सक्षम होना चाहिए। हाथों में दिखाई देने वाला अंकुश यह स्पष्ट करता है कि हमें समाज शासन तथा अथवा विधि द्वारा नियंत्रित किया जाए इससे अच्छा है कि हम स्वयं आत्म नियंत्रित हो और समाज में बेहतर आदर्श स्थापित करें। गजानन भगवान की लंबी सूंड संवेदनशील होने की ओर संकेत करती है और बताती है कि गंभीर व्यक्ति को आसपास के वातावरण को सूंघते चाहिए। इससे आने वाली विपत्तियों का नाश करने अथवा उनका सामना करने का वातावरण निर्मित होता है। गणेश जी की विशाल काया के मुकाबले उनके वाहन चूहा काफी छोटा है। यह संभवतः शिक्षा देता है कि हमारे संसाधन कितने भी छोटे और सीमित हों, हमें उनसे व्यापक परिणाम प्राप्त करने हेतु समर्थ होना आवश्यक है। अनेक गुण हैं गणपति बप्पा में । क्योंकि शुभ लाभ के पिता है और रिद्धि सिद्धि के पतिदेव, इसलिए उन्हें सभी प्रकार की मनोकामनाएं पूर्ण करने वाला इष्ट देव भी माना गया है। ऐसी ढेर सारे कारण हैं जिनके चलते देवतागणों में गणेश जी का विशिष्ट स्थान है। यही कारण है कि शुभ प्रसंग में चाहे वह जन्म संबंधी समारोह हो या फिर शादी विवाह का माहौल, हर जगह पर पहले पूजा गणेश जी की ही होती है। यहां तक कि परिवार और सामाजिक स्तर पर आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजन का पहला निमंत्रण प्रथम पूज्य गणेश जी महाराज को ही समर्पित किया जाता है।

साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

खरगोन की घटना को लेकर बवाल, जयस ने थाना घेरा, आरआई सस्पेंड

बच्चा संभालने और घरेलू काम की थी ड्यूटी, डॉगी गायब हुआ तो आरआई ने सिपाही को बेल्ट से पीटा

मनोज गौड़। खरीगोन

जिले में पुलिस महकमे की कार्यप्रणाली और अनुशासन पर सवाल उठाने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस लाइन में पदस्थ रक्षित निरीक्षक (आरआई) शौरभ कुशवाह पर आरोप है कि उन्होंने अपने ही बंगले पर तैनात आरक्षक राहुल चौहान के साथ बेरहमी से मारपीट की। घटना 8 अगस्त की बताई जा रही है, लेकिन इसका खुलासा अब हुआ है। इसके बाद विरोध शुरू हो गया है। बुधवार को उस वक्त विरोध ज़्यादा तेज हो गया, जब आदिवासी संगठन जयस (जय आदिवासी युवा शक्ति) इस मामले में खुलकर मैदान में उतर आया। बाद में एसपी ने आरआई को सस्पेंड कर आगे जांच कराने की बात कही।

थाने में हंगामा और हाईवे पर चक्काजाम

जयस पदाधिकारी, कार्यकर्ता, पीड़ित आरक्षक और उनकी पत्नी जयश्री चौहान खंडवा रोड स्थित अजाक थाने पहुंचे और आरोपी आरआई पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की। थाने पर मौजूद एसआई राजेश शाह ने लिखित आवेदन लेकर जांच के बाद कार्रवाई की बात कही। इस पर जयस कार्यकर्ता भड़क उठे और थाने से बाहर निकलकर खंडवा-बड़ौदा हाईवे पर धरना देने बैठ गए। करीब ढाई घंटे तक चले इस प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी होती रही और सड़क पर सैकड़ों वाहन फंसे रहे। दोपहर 1 बजे से शाम 4.30 बजे तक हाईवे पर जाम की स्थिति बनी रही। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट कहा कि जब तक आरोपी आरआई के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं होती, वे आंदोलन जारी रखेंगे। उनकी मांग थी कि एसपी मौके पर आएं और लिखित में कार्रवाई का आश्वासन दें।

आरोप और पीड़ित की पीड़ा

पीड़ित आरक्षक राहुल चौहान ने आरोप लगाया कि बंगले पर ड्यूटी के दौरान केवल कुत्ता गुम हो जाने की वजह से उसे न सिर्फ बेल्ट से पीटा गया, बल्कि जातिसूचक गालियां भी दी गईं। राहुल का कहना है कि उसने अधिकारियों को इस घटना की शिकायत की थी, लेकिन उसे कोई मदद नहीं मिली। मजबूर होकर उसने समाजजनों के बीच अपनी आपबीती साझा की, जिसके बाद यह मामला पूरे आदिवासी समाज की अस्मिता का मुद्दा बन गया।

आदिवासी समाज में आक्रोश

जयस पदाधिकारियों का कहना था कि यह मामला केवल एक आरक्षक से जुड़े विवाद का नहीं है, बल्कि पूरे आदिवासी समाज के सम्मान से जुड़ा हुआ है। उनका आरोप था कि सरकारी महकमे में आदिवासी कर्मचारियों के साथ अक्सर भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जाता है और अब यह घटना उस सोच की एक और कड़ी है।

अरुण यादव ने घेरा

मामले ने राजनीतिक तूल भी पकड़ लिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने इसे गंभीर बताते हुए कहा, यह सिर्फ राहुल चौहान पर हमला नहीं, बल्कि पूरे आदिवासी समाज का अपमान है। यदि आज इस मामले में कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो यह गलत परंपरा स्थापित करेगा। डीजीपी महोदय तुरंत संज्ञान लेकर आरोपी आरआई को निलंबित करें।

आगे की कार्रवाई पर नजर

फिलहाल अजाक थाने ने पीड़ित से लिखित आवेदन लेकर जांच की प्रक्रिया शुरू करने की बात कही है। लेकिन जयस कार्यकर्ता और आदिवासी समाज इस पर अड़े हैं कि केवल जांच से काम नहीं चलेगा, बल्कि तत्काल एफआईआर होनी चाहिए। मामला अब प्रशासन और पुलिस की कार्यवाही पर टिका है। इस घटना ने पुलिस विभाग की छवि पर सवाल खड़े कर दिए हैं। समाजजनों का कहना है कि यदि खुद पुलिसकर्मी सुरक्षित नहीं रहेंगे, तो आमजन कैसे न्याय की उम्मीद कर पाएंगे।

विहिप के 61वें स्थापना दिवस पर सम्मेलन

गंजबासौदा। त्योंदा में विश्व हिन्दू परिषद के 61 वें स्थापना दिवस पर समिति सम्मेलन आयोजित हुआ। कार्यक्रम में त्योंदा प्रखंड के अंतर्गत आने वाले सभी खंडों के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विभाग सहमंत्री चंद्रभान सिंह बघेल ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन 1964 में जन्मा विश्व हिन्दू परिषद आज 61 वर्ष का हो गया है। इन 61 वर्षों के सफर में हमने अपने कार्य के आधार पर हिन्दू समाज में महत्वपूर्ण स्थान बनाया है, तभी तो लव जेहाद, गौरक्षा, मठ मंदिरों की सुरक्षा आदि के लिए समाज पुलिस से पहले संगठन को सूचना देता है। यह विश्वास समाज का हम पर है। जिला मंत्री अभिषेक शर्मा ने कहा कि आज अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो गया है। इसके लिए संतों के मार्गदर्शन में विश्व हिन्दू परिषद ने अथक परिश्रम किया है, तब जाकर हम इस पल को देख पा रहे हैं। प्रांत शोशल मीडिया प्रमुख सत्यम दुवे बावली ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं से हर ग्राम तक संगठन का गठन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर त्योंदा प्रखंड अध्यक्ष सतीश दुबे, प्रखंड सह मंत्री आकाश कुशवाहा, बजरंग दल प्रखंड संयोजक आयुष शर्मा, अमन रिछारिया, जगदीश गुर्जर सहित बड़ी संख्या में विहिप, बजरंग दल कार्यकर्ता उपस्थित थे।

छींद धाम के लिए युवाओं का जत्था पैदल रवाना

गंजबासौदा। पंचमुखी हनुमान मंदिर से शिवसेना जिलाध्यक्ष बिजेंद्र देवा लोधी के नेतृत्व में युवाओं का जत्था छींद धाम के लिए डीजे की धुन में नाचते गाते हुए रवाना हुए। इस जत्थे का जगह-जगह नगरवासियों ने स्वागत किया व शिवसेना जिलाध्यक्ष के साथ जा रहे सभी भक्तों को उनकी मंगलमयी यात्रा के लिए पुष्प वर्षा करके शुभकामनाएं दी। इसमें यात्रा में सैकड़ों भक्त रवाना हुए।

विदेशी वस्तुओं की जलाई होली

गंजबासौदा। स्वदेशी जागरण मंच के प्रांतीय आव्हान पर स्वदेशी सुरक्षा स्वाबलंबन अभियान के तहत सुभाष चौक पर विदेशी वस्तुओं से बना पुतला जलाया। इस मौके पर जिला पूर्णकालिक अंकित पाठक, विभाग सह संयोजक सुखजीत सिंह बुमराह, जिला समन्वयक परसराम दुबे, भाजपा नेता रूपेंद्र शर्मा, शंभू दयाल विश्वकर्मा, जिला सह संयोजक रोहित अग्रवाल, सह संयोजक विकास अहिरवार, मोहन रघुवंशी, शैलेश गायकवाड़, नीरज तेनगुरिया, देवेंद्र रघुवंशी, हरिओम चौबे, राजीव श्रीवास्तव, अर्जुन सिंह कुर्मी, रचित अग्रवाल ने संयुक्त रूप से विदेशी वस्तुओं के उपयोग के घातक परिणामों पर विस्तृत रूप से चर्चा की। उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग का आव्हान किया। इस मौके पर अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत विरोधी टैरिफ के खिलाफ जमकर नारेबाजी की एवं स्वदेशी के नारे लगाए। इस मौके पर बड़ी संख्या में जागरूक नागरिक उपस्थित थे।

पर्यूषण पर्व पर मुनि संघ के सानिध्य में 10 दिवसीय श्रावक संस्कार शिविर

गंजबासौदा। दिगंबर जैन संप्रदाय का सबसे बड़ा पर्व दसलक्षण पर्व प्रारंभ होने जा रहे हैं। नगर में विराजमान संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के प्रभावक शिष्य निर्यापक मुनि संभव सागर महाराज के सान्निध्य में यह 10 दिवसीय श्रावक संस्कार शिविर स्थानीय महावीर विहार में आयोजित किया जा रहा है। श्रावक संस्कार शिविर में 150 से अधिक शिविरार्थी शामिल हो रहे हैं, जो आगामी 10 दिनों तक अपने अपने घर का पूर्णतः त्याग कर व्रत और संयम के साथ धर्म और ध्यान को धारण करेंगे। नवाचार्य समय सागर महाराज के मंगल आशीर्वाद से आयोजित होने वाले श्रावक संस्कार शिविर में शिविरार्थी हथकरघा से निर्मित शुद्ध एवं अहिंसक वस्त्र ही धारण करेंगे। प्रातः उठकर प्रार्थना एवं ध्यान से दिन की शुरुआत होगी। दिनभर मेंटर धार्मिक एवं आध्यामिक क्रियाकलापों के साथ रात्रि 9 बजे मौन होकर धर्मशाला में ही शयन करेंगे। इस आत्मकल्याण शिविर के पुण्यार्जक बनने का अवसर जयंती बाई, राजेंद्र कुमार, सुनील कुमार, सुशील कुमार चार्ली चाट परिवार को प्राप्त हुआ है। पर्यूषण पर्व जिन्हें हम दस लक्षण पर्व भी कहते हैं। पहले दिन उत्तम क्षमा धर्म की आराधना होगी। स्थानीय महावीर विहार में विराजमान निर्यापक मुनि संभव सागर महाराज के विशेष प्रवचन होंगे।

जिला सहकारी बैंक की तीन समितियों के कर्मचारी निलंबित

सागर। दोपहर मेट्रो

कर्ज वसूली में लापरवाही बरतने वाले सहकारी कर्मचारियों को निलंबित किया गया है. कर्मचारियों को नोटिस से भेजकर जवाब मांगा था, जो संतोषप्रद नहीं दिया था। कलेक्टर संदीप जीआर ने कार्रवाई करते हुए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक से संबंधित तीन समितियां के कर्मचारियों को निलंबित करने की कार्रवाई की है। कलेक्टर एवं प्रशासक संदीप जीआर ने बताया कि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक से संबंद्ध 3 समितियों में सानौधा, थॉबरी एवं रजौआ ने ऋण वसूली वर्ष 2024-25 अंतर्गत रूचि नहीं दिखाई। इनको नोटिस भी भेजा गया था, बावजूद इन्होंने नियमों की अनदेखी की। इन समिति कर्मचारियों का जवाब संतोषप्रद नहीं पाये जाने से कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक ने समिति के समिति प्रबंधक (केडर) एवं सहायक समिति प्रबंधकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किए जाने के आदेश दिया है। उन्होंने बताया कि भविष्य में बैंक एवं समिति के अन्य कर्मचारियों की लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

519 में से 351 युवाओं ने दौड़ परीक्षा पास की

विदिशा। । दोपहर मेट्रो

अग्निवीर भर्ती रैली के पांचवें दिन नर्मदापुरम, अशोकनगर एवं दमोह जिले के युवाओं ने अपना दमखम दिखाया। 699 उम्मीदवारों में से 519 ने उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें से 351 युवाओं ने दौड़ परीक्षा पास की। उम्मीदवारों ने आपसी प्रतिस्पर्धा में उत्साह एवं शारीरिक दृढ़ता का प्रदर्शन किया। दौड़ पास करने वाले सभी अभ्यर्थियों को अब आगामी चरण 'शारीरिक प्रवीणता, दस्तावेज सत्यापन एवं चिकित्सीय परीक्षण' से गुजरना होगा। भर्ती प्रक्रिया जिला प्रशासन विदिशा एवं सेना भर्ती कार्यालय भोपाल के संयुक्त सहयोग से संपन्न हो रही है। युवाओं में इस भर्ती रैली को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। भारतीय सेना में चयन की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और पूर्णतः योग्यता आधारित होती है।

नपा ने कराया पीएम आवास के हितग्राहियों का गृह प्रवेश

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

श्री गणेश चतुर्थी के पवित्र मौके पर राज्य सरकार की मंशानुरूप नगरपालिका परिषद द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अपना पक्का आवास बना कर हितग्राहियों का गृह प्रवेश कराया गया।

नपाध्यक्ष मनमोहन साहू पार्षदों तथा नपा अधिकारियों के साथ वार्ड 02 एवं 18 के चयनित हितग्राहियों के निवास पर पहुंचे। इस दौरान नपा प्रबंधन ने 17 हितग्राहियों का गृह प्रवेश कराया। गृह प्रवेश के लिए इन आवासों को आकर्षक रूप से सजाया गया था। इस मौके पर हितग्राही का सम्मान करते हुए परिषद के सदस्यों ने फीता काटकर परिवार का गृह प्रवेश कराया तथा मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया। इस दौरान हितग्राहियों ने आवास की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री मोहन यादव तथा विधायक उमाकांत शर्मा का आभार भी व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों से हमारा परिवार कच्चे मकान में रहता था। हमारी हैसियत ही नहीं थी कि हम कभी पक्का मकान बना पाते, लेकिन भाजपा सरकार ने सभी वर्गों के नागरिकों को बगैर किसी भेदभाव के सबको मकान की योजना से लाभान्वित किया है।

शिशु गृह से भागा छह साल का बालक 6 घंटे बाद बीना रेलवे स्टेशन पर मिला

सागर। दोपहर मेट्रो

गोपालगंज थाना क्षेत्र स्थित शिशुगृह से सुबह एक 5 साल का बच्चा भाग गया। वह रेलवे स्टेशन पहुंचा और वहां से बीना की ओर जाने वाली ट्रेन में बैठ गया। पुलिस को जानकारी मिलते ही उसकी तलाश शुरू की गई। बच्चे की तलाश के लिए पुलिस ने 6 घंटे सर्चिंग ऑपरेशन चलाया और उसे सफलता मिल गई। पुलिस ने बीना रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म से दस्तयाब कर शिशुगृह प्रबंधन को सकुशल सौंप दिया।

थाना गोपालगंज क्षेत्र से सागर सेवा भारती मात्र छाया शिशु गृह निवासी लगभग 5 वर्षीय नाबालिग बालक के गुम होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक विकाश कुमार शाहवाल ने मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता में लेकर समस्त थाना प्रभारियों को तुरंत अलर्ट कर हरसंभव प्रयास करने को कहा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार सिंहा ने पूरे मामले की सतत मॉनिटरिंग करते हुए कई टीमें गठित कीं। सीसीटीवी पुलिस कंट्रोल रूम एवं स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम में विशेष टीमें लगाई गईं, जिन्होंने अलग-अलग स्थानों पर लगे कैमरों के फुटेज खंगाले। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, प्रमुख मार्गों एवं जिले की सीमाओं पर तत्काल चेकिंग आरंभ की गई।

इस तरह मिला सुराग

कंट्रोल रूम में मिले सीसीटीवी इनपुट के आधार पर विशेष टीमें रवाना की गईं। रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड पर लगातार चेकिंग जारी रही थी, ताकि बच्चा जिले से बाहर न जा सके। लगातार 6 घंटे की अथक मेहनत के बाद दोपहर करीब 4 बजे बीना रेलवे स्टेशन पर पुलिस टीम ने मासूम को सुरक्षित बरामद कर लिया। इस पूरी कवायद में थाना प्रभारी गोपालगंज राजेन्द्र सिंह कुशवाहा और पुलिस कंट्रोल रूम से उप निरीक्षक आरकेएस चौहान ने लगातार सभी टीमों के साथ समन्वय स्थापित कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मेट्रो एंकर परिजन और पुलिस हैरान-परेशान: आसपास के जिलों में खोजबीन जारी

घर से फीस जमा करने निकली युवती लापता, आठ दिन बाद भी नहीं लगा सुराग

पहले कटनी, फिर इंदौर और अब रायसेन से आई घटना सामने

रायसेन। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में युवतियों के रहस्यमयी तरीके से लापता होने की घटनाओं ने हर किसी को हैरान कर दिया है। पहले कटनी की 'लापता लेडी' अर्चना तिवारी, फिर इंदौर की श्रद्धा तिवारी और अब रायसेन जिले की निकिता लोधी के लापता होने की घटना ने पुलिस-प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। 18 वर्षीय निकिता लोधी को गायब हुए 8 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक उसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। निकिता घर से कॉलेज की फीस जमा करने के लिए निकली थी लेकिन वापस नहीं लौटी। फिलहाल गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस निकिता की तलाश में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक, रायसेन जिले के गैरतगंज की रहने वाली निकिता लोधी 18 अगस्त को दोपहर करीब 3 बजे कॉलेज फीस जमा करने घर से निकली थी। फीस जमा करने निकिता पास ही के कंप्यूटर शॉप गई थी, लेकिन 24 घंटे बीत जाने के बाद भी वह घर नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बाद भी जब निकिता की कोई जानकारी नहीं मिली, तो परिजनों ने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। घटना को 8 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। निकिता की गुमशुदगी ने परिजनों की चिंता बढ़ा दी है। वे लगातार निकिता की तलाश में रायसेन और उसके आसपास के जिलों में खोजबीन कर रहे हैं। परिवार वालों ने मध्यप्रदेश के डीजीपी और मुख्यमंत्री मोहन यादव से भी गुहार लगाई है। वहीं पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आसपास के सीसीटीबी फुटेज और सीजीआर की जांच शुरू कर दी है। वहीं निकिता के परिजनों ने उसकी लास्ट लोकेशन पंजाब तो कभी हैदराबाद बताई है।

छेड़छाड़ करने वाले को दो साल की सजा

सीहोर। जिले की नाबालिग छात्रा लंबे समय तक आरोपी अभिषेक की छेड़छाड़ का शिकार होती रही। छात्रा जब स्कूल से घर या बाजार जाती, तो आरोपी उसका पीछा करता और अश्लील इशारे करता। आरोपी उससे जबरन शादी करने और भाग जाने का दबाव डालता। आखिरकार जून 2023 की शुरुआत में छात्रा ने अपने माता-पिता को पूरी घटना बताई। विशेष न्यायाधीश आष्टा, महेश कुमार चौहान ने अभियोजन के तर्कों से सहमति जताई और आरोपी अभिषेक कुशवाह पिता घनश्याम कुशवाह 20 वर्ष निवासी काछी मोहल्ला आष्टा को दोषी ठहराया। न्यायालय ने उसे धारा 354 भादवि में 2 वर्ष का सश्रम कारावास, धारा 11/12 पॉक्सो एक्ट में 2 वर्ष का सश्रम कारावास एवं कुल 4000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। परिजनों को जब सच्चाई पता चली तो उन्होंने बेटी की सुरक्षा को देखते हुए आष्टा से सीहोर में शिफ्ट होने का निर्णय लिया। यह कदम आरोपी के डर से बचने के लिए उठाया गया था। 4 जून 2023 की रात 10 बजे छात्रा और उसके पिता मोटरसाइकिल से सामान लेकर सीहोर जा रहे थे। तभी लड़की के पिता से कहा कि मेरी बात आपकी बेटी से कराओ। इनकार करने पर जान से खत्म कर देने की धमकी दी।

नागरिक आतंकितः पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल

बस स्टैंड, खैराती बाजार व बेरी मैदान में सट्टा माफिया का खौफ, टूट रहे परिवार

बुरहानपुर। दोपहर मेट्रो

शहर का दिल कहे जाने वाले बस स्टैंड, खैराती बाजार, बेरी मैदान, शौकत मैदान, राजीव नगर और लोहार मंडी, खनका वार्ड इलाकों में इन दिनों जुआ-सट्टे का ऐसा जाल बिछ है, जिसने आम नागरिकों की नींद हराम कर दी है। सट्टा माफियाओं का दबदबा इतना बढ़ गया है कि न तो उन्हें पुलिस का खौफ है और न ही प्रशासनिक कार्रवाई का डर। स्थिति यह है कि गरीब मेहनतकश व्यक्ति दिन भर खून-पसीना बहाकर जो कमाता है, वह रात में जुए और सट्टे की भेंट चढ़ जाता है। इसके चलते घरों में कलह, विवाद और मारपीट जैसी घटनाएं बढ़ गई हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सट्टा कारोबार अब खुलेआम हो रहा है। राजपुरा गेट के बाहर से लेकर सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र तक कई स्थानों पर यह धंधा चल रहा है। खासतौर पर युवा वर्ग तेजी से इसकी चपेट में आ रहा है। दिन भर मजदूरी या नौकरी कर लौटने वाले युवक रात को सट्टे में पैसा गवां बैठते हैं, जिससे उनका परिवार भूख-प्यास और कर्ज के बोझ तले दबता जा रहा है। कई घरों में तो हालात ऐसे हैं कि बच्चों को भी भरपेट भोजन नसीब नहीं हो रहा। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि वे कई बार पुलिस से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई अब तक नहीं हुई। ऐसा जान पड़ता है कि इस पूरे खेल में पुलिस की कार्यवाही संदेहास्पद प्रतीत होती है। इस लापरवाही के चलते अपराधियों के हौसले और बुलंद हो गए हैं। बेखौफ होकर यह माफिया शहर की गलियों और चौक-चौराहों पर अपनी गद्दियां जमा लेते हैं और खुलेआम सट्टा चलवाते हैं।

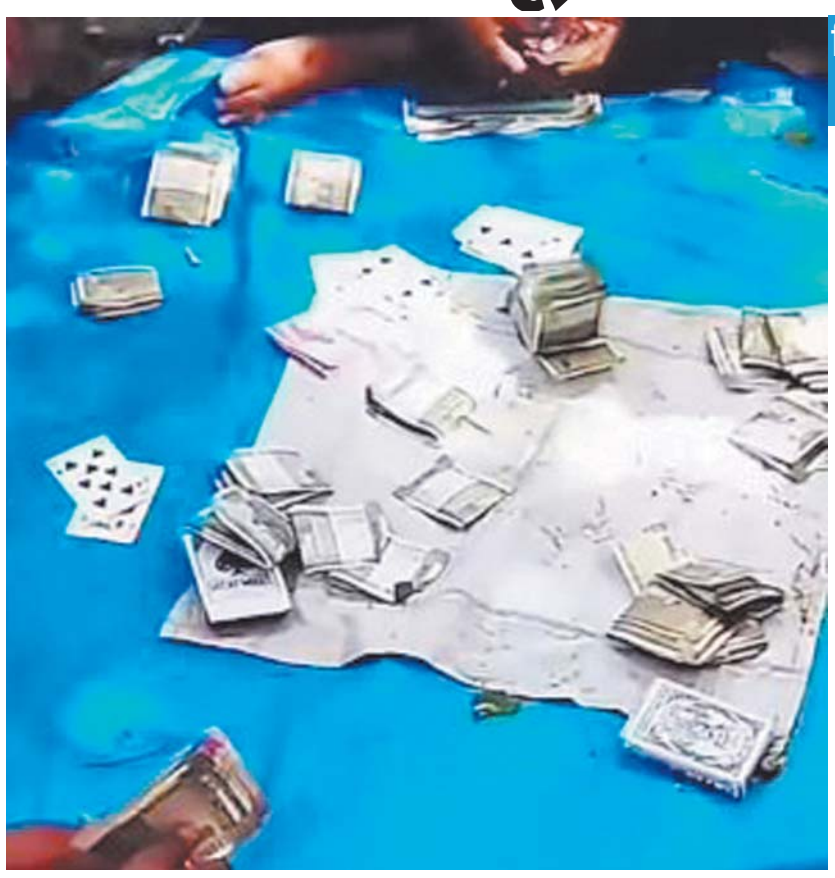

जिम्मेदार विभाग है खामोश

कानून की नजर में यह अपराध है और समाज को खोखला करने वाली बुराई भी, बावजूद इसके जिम्मेदार विभाग खामोश दिखाई दे रहे हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर सिटी कोतवाली पुलिस इन माफियाओं पर कब सख्त शिकंजा कसेगी? कब इन अवैध गद्दियों को नेस्तनाबूद किया जाएगा, ताकि गरीब परिवारों की मेहनत की कमाई बच सके और घरों में फिर से शांति लौट सके। जनता अब यही मांग कर रही है कि पुलिस प्रशासन तत्काल बड़ी कार्रवाई कर इन जुआ-सट्टा माफियाओं को कानून के शिकंजे में कसे, वरना हालात और भी भयावह हो सकते हैं।

नकाबपोश बदमाशों ने कटनी में आर्म्स डीलर के घर की आगजनी

कटनी। मध्य प्रदेश के कटनी शहर की सबसे पॉश कॉलोनी हाऊसिंग बोर्ड में अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने यहां रहने वाले आर्म्स डीलर के मकान में आग लगा दी। स्कूटी सवार बदमाशों द्वारा की गई ये वारदात इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फिलहाल, मौके पर पहुंची माधवनगर पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर जांच शुरू कर दी है। शहर की हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी के एमआईजी 5 में 50 वर्षीय नाजिम खान अपने परिवार के साथ रहते है। रात करीब एक बजे स्कूटी सवार नकाबपोश तीन बदमाश यहां पहुंचे। बदमाश अपने साथ बोतल में पेट्रोल लेकर आए थे। घर के सामने बदमाशों ने पहले तो घर के मुख्य द्वार पर पेट्रोल डाला और फिर आग लगा दी। आग लगाने के बाद बदमाश करीब 1 मिनट तक बाहर ही खड़े रहे। बताया जाता है कि आर्म्स डीलर नाजिम ने अपनी जान को खतरा होना पहले भी बताया था। इसका कारण उन्हें धमकी भरे पत्र मिलना बताया गया था। उन्होंने डीजीपी समेत पुलिस विभाग के आला अधिकारियों को इसकी शिकायत करते हुए पहले भी सुरक्षा की मांग की है।

टायर फटने से कार ट्रक से भिड़ी, तीन घायल

शिवपुरी। कठमई के पास फोरलेन हाइवे पर टायर फटने से कार अचानक ट्रक से जा टकराई। हादसे में तीन सवार घायल हो गए हैं। फोरलेन हाइवे पर कठमई के पास अचानक एक कार का टायर फट गया। कार अनियंत्रित होकर ट्रक में जा भिड़ी। कार में तीन सवार फंसे रह गए। राहगीरों ने पहुंचकर तीनों को बाहर निकाला और ऑटो से अस्पताल भिजवाया।घायल रोहित शर्मा, गणेश श्रीवास्तव और विवेक चौहान इंदौर से ग्वालियर जा रहे थे। इधर पूरनखेड़ी गांव के पास वेयर हाउस के सामने ट्रक व कार टकरा गई। हालांकि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। कार सवार हीरामन बाबा मेले में आ रहे थे।

पत्नी के चरित्र पर संदेह था, मार डाला

शिवपुरी। जिले के पोहरी अनुविभाग के बैराड थाना सीमा में आने वाले कालामढ में पति ने पत्नी से विवाद में सिर पर डंडा मार दिया। महिला के सिर पर गहरी चोट आने के बाद वह बेहोश होकर गिर पड़ी और अधिक खून निकल जाने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया था। पुलिस ने आज हत्या के आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। फरियादी छोटू पुत्र परमू कुशवाह ने थाने में रिपोर्ट की कि हम पांच भाई हैं। सबसे बड़े बनवारी कुशवाह की शादी करीब 10 वर्ष पहले सीमा कुशवाह के साथ हुई थी उसके तीन बच्चे है। भाई बनवारी का विवाद अपनी पत्नी सीमा से होता रहता था। सुबह 06 बजे मैं अपनी ससुराल में था, तभी मेरी मां रामश्री कुशवाह का फोन आया। उसने बताया कि बेटा तू जल्दी घर पर आ तेरी भाभी सीमा के साथ बनवारी कुशवाह ने रात्रि में मारपीट की थी, जिससे उसकी मृत्यु हो गई है। बताया जा रहा है कि बनवारी अपनी पत्नी के चरित्र पर सदेंह करता था, इसलिए उसके साथ मारपीट करता था। सीमा के सिर पर डंडा मारे जाने के कारण वह बेहोश होकर गिर पड़ी थी और उसके सिर से अधिक खून निकल गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

दस्यु बबुली कोल गिरोह के साथी रहे लवलेश को छह साल की कैद की सजा

सतना। मुठभेड़ के दौरान पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने के मामले में दोष सिद्ध होने पर दस्यु बबुली कोल गिरोह के साथी रहे लवलेश कोल को न्यायालय ने छह वर्ष कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 8,000 अर्थदण्ड से भी दंडित किया है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी गोपाल दास ने बताया कि वर्ष 2015 में तत्कालीन राजापुर थाना प्रभारी आरबी सिंह मानिकपुर और मारकुण्डी थाने की पुलिस टीम के साथ दस्यु बबुली कोल गिरोह द्वारा कल्याण सेंचुरी जंगल के वन कर्मियों के साथ मारपीट किए जाने की सूचना पर घटना स्थल की ओर जा रहे थे। इस दौरान मुखबिर ने बताया कि दस्यु सरगना इनामी बदमाश बबुली कोल अपने साथियों के साथ नागर गांव के ठर्री पहाड़ में मौजूद है। जिसके बाद पुलिस टीम ठर्री पहाड़ पहुंच गई। यहां पहाड़ पर मौजूद दस्यु बबुली कोल के सदस्यों ने राइफल और बन्दूकों से पुलिस पर फायरिंग शुरु कर दी। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की, किंतु बदमाश जंगल की भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाकर भाग निकले। इस मामले में दस्यु सरगना बबुली कोल समेत कई लोगों का नाम प्रकाश में आया था। कुछ दिनों बाद दस्यु सरगना बबुली कोल पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था, जबकि गिरोह का कैजुअल मेम्बर मानिकपुर थाना क्षेत्र के निही चिरैया गांव का निवासी लवलेश कोल गिरफ्तार कर लिया गया था। जिसके विरुद्ध पुलिस ने न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद बुधवार को विशेष न्यायाधीश नीरज श्रीवास्तव ने इस मामले में निर्णय सुनाया। जिसमें पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने का दोष सिद्ध होने पर लवलेश कोल को छह वर्ष कारावास के साथ 8,000 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

इंदौर के द्वारकापुरी में हुआ सिलेंडर ब्लास्ट, तीन घायल

इंदौर। द्वारकापुरी इलाके में गुरुवार दोपहर घर में रखा सिलेंडर अचानक फट गया। इस हादसे में तीन लोग घायल हुए है। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। घटना 60 फीट रोड की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार घटना में तीन लोगों के घायल होने की खबर आई है। स्थानीय लोगों के द्वारा उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

बाइक चोरी का खुलासा

खरगौन। दोपहर मेट्रो

जिले के महेश्वर के करही थाना पुलिस टीम ने मोटर साइकिल चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गईं 02 मोटर साइकिल जब्त की। मोटरसाइकिल की कीमत लगभग एक लाख रुपये बताई जा रही है। करही थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार इंगले ने बताया फरियादी गोपाल ने मोटर साइकिल चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

नेताओं की चापलूसी की बजाय सड़क दुरुस्त करें अधिकारी

15 दिनों में सड़कें ठीक करें, नहीं तो सांसद-विधायक के घर का करेंगे घेराव

बुरहानपुर। दोपहर मेट्रो

शहर की खस्ताहाल सड़कों एवं गड्ढों के कारण हुए हादसों को जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन को जिम्मेदार बताया है। कांग्रेस नेताओं ने सिंधी बस्ती चौराहे पर धरना दिया, फिर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर एसडीएम को राष्ट्रपति एवं राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपा।

जिला कांग्रेस प्रवक्ता निखिल खंडेलवाल ने बताया कि धरने में कांग्रेस जिला अध्यक्ष रिंकु टांक, ग्रामीण जिला अध्यक्ष रविंद्र महाजन, कांग्रेस जिला प्रभारी ग्यारसीलाल रावत, हमिद काजी, इंद्रसेन देशमुख, फरीद काजी, निखिल खंडेलवाल, शैली कीर, इदरीश खान, शेख रुस्तम, आदित्यवीर सिंह ठाकुर, रफीक खोखर, कृष्ण कुमार सुखवानी, प्रमोद कुमार जैन, प्रवीण टैंभूरने, बंडु देशमुख, दीपक जंगाले सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर फरीद काजी ने किया।

यूरिया के लिए किसानों की लगी लंबी कतार

सीधी। किसानों की ये भीड़, यूरिया लेने के लिए कतार में खड़ी है। यह तस्वीर सिर्फ यहीं की नहीं, लगभग पूरे प्रदेश में एक जैसी है। सरकार किसान हितैषी होने के दावे करती है और देश के कृषि मंत्री खुद मप्र से आते हैं, लेकिन इसके बाद भी किसान हर साल इसी तरह परेशान होते देखे जाते हैं।

चित्रकूट को नगर पालिका बनाने का प्रस्ताव सरकार को भेजा

तीन पंचायतों को भी दायरे में लाया जाएगा

सतना। दोपहर मेट्रो

विंध्याचल के सतना जिले के चित्रकूट नगर परिषद को नगर पालिका बनाने का प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा गया है। इसकी मुख्य वजह मौजूदा दौर में नगर परिषद की व्यवस्थाएं अब नाकाफी साबित होने लगी हैं। जिस तरह से चित्रकूट का विकास और विस्तार हो रहा है। यहां प्रतिदिन 15 से 20 हजार लोग बाहर से आ रहे हैं। उनके लिए नगर परिषद स्तर पर सुविधाएं मुहैया करना मुश्किल हो रहा है। लिहाजा मौजूदा चित्रकूट की सीमा विस्तार के साथ इसे नगर पालिका घोषित करने प्रस्ताव तैयार किया गया है।

नगर पालिका अधिनियम 1961 के अनुसार, किसी क्षेत्र की जनसंख्या जब 50 हजार हो जाती है, तो उसे नगर पालिका घोषित किया जा सकता है। हालांकि अभी नगर परिषद की जनसंख्या 30 से 40 हजार के करीब है। लेकिन चित्रकूट में प्रतिदिन

15 से 20 हजार दर्शनार्थी पहुंचते हैं। ऐसे में नगर परिषद को यहां प्रतिदिन 50 हजार से ज्यादा लोगों की व्यवस्थाएं करनी पड़ती हैं, जिसके लिए वह सक्षम नहीं है। इसके अलावा चित्रकूट का क्षेत्रफल लगभग 82 वर्ग किलोमीटर है, जो कई नगर पालिकाओं से अधिक हैं। नगर पालिका बनाने के प्रस्ताव में चित्रकूट से लगी शहरीकरण की प्रक्रिया में आसपास की ग्राम पंचायतों को भी शामिल करने की बात कही गई है। इसमें पालदेव, हरदुआ, टेढ़ी सेजवार पंचायतों को नगर पालिका चित्रकूट में शामिल करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

कार्मिक संरचना में आएगा बदलाव

चित्रकूट के नगर पालिका घोषित होने से यहां की कार्मिक संरचना बदल जाएगी, जिससे ज्यादा अधिकारी कर्मचारी स्थापना में शामिल होंगे। ऐसा होने पर व्यवस्थाओं की देख-रेख और कार्य ज्यादा बेहतर तरीके से हो सकेगा। शासन योजनांतर्गत सहायता भी ज्यादा मिल सकेगी जिससे बेहतर काम हो सकेंगे। ऐसा होने पर स्वच्छता, पेयजल, धार्मिक स्थलों की निगरानी सहित अन्य कार्य ज्यादा बेहतर हो सकेंगे।

नाराज पिता ने बेटी को उतारा मौत के घाट

अशोकनगर। दोपहर मेट्रो

जिले से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक पिता ने अपने ही हाथों से अपनी 17 साल की बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। बेटी को मारने के बाद आरोपी पिता ने बेटी की लाश को फांसी के फंदे पर लटकाकर सुसाइड करने की बात फैला दी। फिर जल्दबाजी में बेटी का अंतिम संस्कार भी कर दिया। उसकी अस्थियां भी विसर्जित कर दीं। अपने जुर्म को छिपाने के लिए आरोपी ने पत्नी को धमकी दी कि अगर किसी के सामने मुंह खोला तो बाकी बच्चों को भी जान से मार देगा, लेकिन पुलिस ने 4 दिन में ही आरोपी पिता के जुर्म का पर्दाफाश कर दिया है।

अशोकनगर के बहादरपुर थाना इलाके में रहने वाले बलिहार सिंह को पुलिस को उसकी बेटी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि बलिहार सिंह की 17 साल की बेटी पसंद से शादी करना चाहती थी। जब ये बात आरोपी पिता को पता चली तो उसने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी।

मेट्रो एंकर मंदिर समिति सदस्य का दावा, स्वप्न में आ रही थी खुदाई की बात, दर्शन करने आसपास से पहुंचने लगे श्रद्धालु

मंदिर परिसर की खुदाई में निकली भगवान गणेश और नंदी की प्रतिमा

विशाल रजक। दमोह

जिले के नरसिंहगढ़ में स्थित प्राचीन नर्वदेश्वर मंदिर परिसर में खुदाई के दौरान जमीन में भगवान गणेश की प्रतिमा और एक नंदी की प्रतिमा मिली है। मंदिर समिति के सदस्य कैलाश मिश्रा का दावा है कि उन्हें कई दिनों से प्रतिमा को लेकर स्वप्न आ रहे थे। हर बार खुदाई की बात टल जाती थी। बीते सोमवार की स्वप्न आया, इसके बाद मंगलवार शाम को समिति के सदस्यों ने मिलकर तय किया कि अगले दिन बुधवार को स्थल पर खुदाई करेंगे। सुबह समिति के सदस्यों ने पहले जेसीबी से मिट्टी हटाई गई और उसके बाद सपने में दिख रहे स्थान पर कुछ मजदूरों ने

खुदाई की, तो वहां पर भगवान गणेश की एक प्रतिमा और एक नंदी की प्रतिमा मिली। अब प्रतिमा को विशेष पूजन के साथ मंदिर में स्थापित किया जा रहा है।

500 साल पुराना है मंदिर

समिति सदस्य मिश्रा ने दावा किया है कि सपने में यह भी कहा गया है कि जो भी भक्त प्रतिमा की परिक्रमा करेगा, उसकी सारी मनोकामनाएं पूरी होंगी और संकट दूर होंगे। प्रतिमा मिलने की खबर सुनने के बाद नरसिंहगढ़ और आसपास के क्षेत्र के लोग भी प्रतिमा के दर्शन करने के लिए पहुंचने लगे। समिति के सदस्य देवेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि यह मंदिर करीब 500 साल पुराना मंदिर है, जो जर्जर हो चुका था। 3 साल पहले 30 लोगों की एक समिति बनाकर मंदिर के जीर्णोद्धार का काम शुरू किया गया। 3 साल से काम चल रहा है। करीब 15 लाख रुपए खर्च हो गए हैं। राशि जन सहयोग से एकत्रित की गई है। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री भी यहां आ चुके हैं। मंदिर का काम अभी भी जारी है। पूरा काम जन सहयोग से किया जा रहे।

वैष्णो देवी हादसे में मंदसौर के भी दो लोगों की मौत

मंदसौर। दोपहर मेट्रो

जम्मू कश्मीर के वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर हुए लैंड स्लाइड के हादसे में मरने वालों में मंदसौर जिले के दो लोग भी शामिल हैं। दो लापता और तीन घायल बताए जा रहे हैं। इस घटना की सूचना जब मंदसौर के अधिकारियों को लगी तो, वे तुरंत मृतकों के घर पहुंचे और परिजन को ये दुखद खबर दी। वैष्णो देवी हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में मंदसौर जिले के पिपलियामंडी के करीबी गांव भील खेड़ी के दो ग्रामीण शामिल हैं। इसी गांव के तीन ग्रामीण घायल भी हुए हैं, जबकि दो अब तक लापता हैं। सूचना मिलने के बाद गांव में पुलिस व प्रशासन का दल पहुंचा व मामले की जानकारी परिजन को दी है। गांव के सभी तीर्थ यात्री 23 अगस्त को वैष्णो देवी यात्रा के लिए रवाना हुए थे।

दिग्गज गेंदबाज का शानदार रहा कॅरियर

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बाद अश्विन ने आईपीएल से भी संन्यास लिया

नई दिल्ली , एजेंसी

इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके भारत के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने अब आईपीएल को भी अलविदा कह दिया है। अश्विन ने यह जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम दी। अश्विन ने एक्सशृ पर लिखा, खास दिन और इसलिए एक खास शुरुआत। कहते हैं हर अंत की एक नई शुरुआत होती है। एक आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है। लेकिन, विभिन्न लीगों में खेलने की संभावनाएं आज से शुरू हो रही हैं। इतने सालों की शानदार यादों और रिश्तों के लिए सभी फ्रेंचाइजी का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा। आईपीएल और बीसीसीआई का विशेष तौर पर शुक्रिया। आगे जो भी है उसका आनंद लेने और उसका पूरा लाभ उठाने के लिए उत्सुक हूं।

आईपीएल 2025 में अश्विन सीएसके का हिस्सा थे। टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था। ऐसे में अगले सीजन में टीम बड़े बदलावों के साथ उतर सकती हैं। अश्विन के सोशल मीडिया पोस्ट से यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह बेशक आईपीएल में खेलते हुए नहीं दिखेंगे, लेकिन दूसरी क्रिकेट लीग में खेलते हुए वह दिख सकते हैं। संभवतरू वह देश के बाहर खेली जाने वाली टी20 लीग में खेलते दिख सकते हैं। गौरतलब है कि बीसीसीआई भारत के अंतरराष्ट्रीय या घरेलू क्रिकेट से जुड़े किसी भी मौजूदा खिलाड़ी को विदेशी टी20 लीग में खेलने की छूट नहीं देता है। हालांकि, अब अश्विन संन्यास के बाद इन लीग में खेल सकते हैं।

अश्विन की शानदार रहा आईपीएल करियर

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की तरह अश्विन का आईपीएल करियर भी शानदार रहा है। 2008 से 2025 के बीच वह चेन्नई सुपर किंग्स, राइजिंग पुणे सुपर जाइंट्स, पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे हैं। पंजाब किंग्स के वह कप्तान भी रहे हैं। 220 आईपीएल मैचों की 98 पारियों में 833 रन बनाने वाले अश्विन ने 187 विकेट लिए हैं। आईपीएल इतिहास के वह पांचवें सफलतम गेंदबाज हैं।

दिसंबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा था अलविदा

अश्विन ने दिसंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। आर अश्विन का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट बेहद यादगार रहा है। उनका नाम विश्व के श्रेष्ठतम ऑफ स्पिनर्स में शुमार किया जाता है। 2010 से 2024 के बीच 106 टेस्ट में 537 विकेट, 116 वनडे में 156 विकेट और 65 टी20 में 72 विकेट उनके नाम दर्ज हैं। टेस्ट क्रिकेट में अश्विन एक बल्लेबाज के रूप में भी सफल रहे हैं। 6 शतक और 14 अर्धशतक की मदद से उन्होंने 3,503 रन बनाए हैं।

अनीष ने एशियाई चैंपियनशिप में 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल का जीता रजत पदक

शिमकेंट। भारतीय निशानेबाज अनीष भानवाला ने बुधवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल स्पर्धा का रजत पदक जीता। बाइस साल के अनीष स्वर्ण पदक की दौड़ में सिर्फ एक अंक से चूक गए। उन्होंने 35 अंक जुटाए जो स्वर्ण पदक विजेता चीन के शु लियानबोफान से एक अंक कम रहा। कांस्य पदक कोरिया के ली जेइकयून ने जीता। अनीष शुरुआती चार सीरीज के बाद एक अंक से आगे चल रहे थे लेकिन इसके बाद पिछड़ गए। मंगलवार को ओलंपियन सिफत कौर सामरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने के अलावा देश को टीम खिताब भी दिलाया।

एशिया कप से पहले संजू सैमसन प्रचंड फॉर्म जारी

1 गेंद पर 13 रन, 46 बॉल में ठोके में 89 रन

नई दिल्ली , एजेंसी

एशिया कप से पहलेसंजू सैमसन अपने करियर के प्रचंड फॉर्म से गुजर रहे हैं। इस दाएं हाथ के विकेटकीपर बैटर ने दिखा दिया कि उनके लिए क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं बल्कि जुनून है। संजू ने बता दिया कि वही संजू, जब वह मैदान पर उतरते हैं तो माहौल बदल जाता है। केरल क्रिकेट लीग टी-20 टूर्नामेंट में मंगलवार को संजू ने कोच्चि ब्लू टाइगर्स की ओर से 46 गेंद में 89 रन की पारी खेली। वह भले ही शतक से चूक गए, लेकिन एक गेंद पर 13 रन बनाने का कारनामा कर डाला।

एक बॉल पर 13 रन कैसे बने?- तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में कोच्चि ब्लू टाइगर्स और त्रिशूर टाइटंस का मुकाबला खेला गया। मैच में 30 साल के संजू ने अपनी पारी में चार चौके और

नौ छक्के जड़े। इस दौरान त्रिशूर की ओर से 5वां ओवर सिजोमोन जोसफ फेंकने आए। संजू ने ओवर की चौथी बॉल पर छक्का ठोका। अंपायर ने इसे नो बॉल करार दिया। ऐसे में इस बॉल से सात रन आए। जोसफ को दोबारा गेंद डालनी पड़ी, इस बार संजू ने मिडऑन में एक और सिक्स लगा दिया। इस तरह पाचवें ओवर की चौथी बॉल पर 13 रन बन गए।

संजू सैमसन पिछले मैच में शतक लगाकर आ रहे हैं। उन्होंने रविवार यानी 24 अगस्त को एरीज कोल्लम नाविक के खिलाफ 51 गेंद में 121 रन की तूफानी पारी खेली थी।

एशिया कप से पहले दिखाई फॉर्म

यह सिर्फ संजू की फॉर्म नहीं है बल्कि पूरे हिंदुस्तान की उम्मीद है। एशिया कप के मद्देनजर संजू की फॉर्म टीम के लिए सोने पर सुहागा है। फैंस कह रहे हैं कि- इस बार कुछ बड़ा होगा क्योंकि संजू सिर्फ खिलाड़ी नहीं बल्कि मैच विनर हैं। संजू की इस फॉर्म ने टीम मैनेजमेंट को भी सोचने पर मजबूर कर दिया होगा कि उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर कैसे रखा जाए। दरअसल, एशिया कप स्क्वॉड में शुभमन गिल की वापसी से ओपनिंग स्लॉट को लेकर दुविधा नजर आ रही है। संजू को बाहर कर अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल पारी की शुरुआत करते देखे जा सकते हैं।

फीफा और एएफसी ने दिया अल्टीमेटम

भारतीय फुटबॉल पर फिर सस्पेंशन का मंडराया खतरा

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय फुटबॉल पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि वैश्विक संचालन संस्था फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने संकटग्रस्त अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को सख्त चेतावनी दी है कि उसे 30 अक्टूबर तक नया संविधान अपनाना और उसकी पुष्टि करनी होगी या फिर निलंबन का जोखिम उठाना पड़ेगा। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को मंगलवार को लिखे दो पन्नों के कड़े पत्र में दोनों अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने 2017 से उच्चतम न्यायालय में मामला लंबित होने के बावजूद महासंघ द्वारा अपने संविधान को अंतिम रूप देने में विफलता पर गहरी चिंता व्यक्त की।

शीर्ष अदालत बृहस्पतिवार को इस मामले की सुनवाई करेगी। निलंबन का मतलब होगा कि राष्ट्रीय टीमों और क्लबों को सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और साथ ही अहमदाबाद में 2036 के ओलंपिक खेलों के लिए भारत की महत्वाकांक्षी बोली भी अनिश्चितता में पड़ जाएगी। फीफा और एएफसी ने चौबे के नेतृत्व वाले एआईएफएफ को संशोधित संविधान को मंजूरी देने के लिए उच्चतम न्यायालय से एक निश्चित आदेश प्राप्त करने, इसे फीफा और एएफसी के अनिवार्य नियमों के अनुरूप बनाने और 30 अक्टूबर की समय-सीमा से पहले अगली आम सभा की बैठक में इसकी पुष्टि करने का निर्देश दिया है।

पत्र में क्या कहा गया?

पत्र में कहा गया है, इस कार्यक्रम का पालन नहीं करने पर हमारे पास इस मामले को निर्णय लेने वाली फीफा की संबंधित संस्था के पास विचार और निर्णय के लिए भेजने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा, जिसमें निलंबन की संभावना भी शामिल है। इस पत्र पर फीफा के मुख्य सदस्य संघ अधिकारी एल्खान मामादोव और एएफसी के उप महासचिव (सदस्य संघ) वाहिद कदार्नी ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए हैं। यह पहली बार नहीं है जब भारतीय फुटबॉल को इस तरह की शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है।

तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के आरोप में किया था निलंबित

अगस्त 2022 में फीफा ने भारत को तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के आरोप में निलंबित कर दिया था जब उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति (सीओए) ने अस्थायी रूप से एआईएफएफ का संचालन किया था। यह प्रतिबंध देश की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के जश्न के दौरान लगाया गया था लेकिन सीओए के भंग होने और चुनाव होने के दो सप्ताह के भीतर इसे हटा लिया गया था। चुनावों में चौबे ने एकतरफा परिणाम में दिग्गज फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया को हराया था। विश्व निकायों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के संशोधित संविधान को अंतिम रूप देने और लागू करने में निरंतर विफलता पर चिंता व्यक्त की। यह मामला 2017 से भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है।

टी20 त्रिकोणीय सीरीज

अफगान टीम का ऐलान, यूएई में राशिद खान संभालेंगे कमान

नई दिल्ली । यूएई में 29 अगस्त से त्रिकोणीय टी20 सीरीज की शुरुआत होने जा रही है, जिसमें राशिद खान अफगानिस्तानी टीम की कमान संभालेंगे। इब्राहिम जादरान और मुजीब उर रहमान की वापसी ने अफगानिस्तान के खेमे को मजबूत बनाया है। अफगानिस्तान की इस 17 सदस्यीय टीम में नवीन-उल-हक को मौका नहीं दिया गया है। उनके स्थान पर 22 वर्षीय तेज गेंदबाज अब्दुल्ला अहमदजई टीम में शामिल हैं।

10 टी20 मैचों में 14 विकेट ले चुके अब्दुल्ला अहमदजई ने अभी तक अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू नहीं किया है। वह एशिया कप के लिए रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल हैं। बाएं हाथ के स्पिनर नांगेयालिया खारोटे को मुख्य टीम से बाहर रखा गया है, लेकिन वह एशिया कप के लिए रिजर्व खिलाड़ी होंगे। त्रिकोणीय सीरीज के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव मिस्ट्री स्पिनर एएम गजनफर को टीम में शामिल करना है, जो राशिद खान, मोहम्मद नबी, मुजीब उर रहमान और नूर अहमद जैसी मजबूत स्पिन गेंदबाजी यूनिट में शामिल हो गए हैं। अफगानिस्तान की टीम 29 अगस्त को पाकिस्तान के खिलाफ शारजाह में खेले जाने वाले सीरीज के पहले मुकाबले के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। यह टूर्नामेंट इन टीमों को 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले अपने प्रतिद्वंद्वियों के बारे में जानकारी हासिल करने का मौका देगा। डबल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट के शुरुआती मुकाबले में पाकिस्तान को चुनौती देने के बाद अफगानिस्तान की टीम 1 सितंबर को यूएई से भिड़ेगी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

रियल लाइफ हीरो सोनू सूद ने भक्ति और परंपराओं के साथ मनाई गणेश चतुर्थी

सोनू सूद के लिए गणेश चतुर्थी हमेशा से ही भक्ति, एकजुटता और जागरूक उत्सव का समय रहा है। हर साल की तरह, इस बार भी अभिनेता-समाजसेवी सोनू सूद ने पूरे श्रद्धा और सम्मान के साथ अपने घर भगवान गणेश का स्वागत करते हैं और हर अनुष्ठान को व्यक्तिगत स्पर्श के साथ निभाते हैं। अपनी परंपरा के अनुसार, इस वर्ष भी उन्होंने गणेश जी की मूर्ति घर ले आए हैं और अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ पर्यावरण-अनुकूल तरीके से पाँच दिनों तक त्योहार मना रहे हैं।

मूर्ति के स्वागत के साथ ही, सूद के घर में आस्था और उत्सव का वातावरण बन गया। उनके निवास पर आरती, भोग और दैनिक पूजा की गूंज सुनाई दी, और उनकी संवेदनशील पहल ने इस उत्सव को और भी अर्थपूर्ण बना दिया। उत्सव की शुरुआत में ही उन्होंने मीडिया और पपराज़ी को भगवान गणेश का आशीर्वाद लेने के लिए आमंत्रित किया और उनके साथ प्रसाद बाँटा, यह एक ऐसा भाव था जो उनकी समावेशी सोच को दर्शाता है। जो बात सबसे खास रही, वह थी सोनू सूद की पर्यावरण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता। हर साल वे एक इको-फ्रेंडली गणेश मूर्ति का चयन करते हैं ताकि उनका उत्सव पर्यावरण के प्रति जागरूक बना रहे। इसके साथ ही वे हर साल घर पर ही एक विशेष रूप से बनाए गए तालाब में विसर्जन करते हैं। यह सतत प्रयास न केवल पूजा की पवित्रता को बनाए रखता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि भक्ति और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी साथ-साथ निभाई जा सकती हैं। पांच दिनों तक सोनू सूद पूरी श्रद्धा के साथ अनुष्ठानों में लीन रहे और साथ ही परिवार के साथ बिताए गए मधुर क्षणों, हर्षोल्लास और शांत प्रार्थना का भी आनंद लिया।

कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर खबर आई थी कि एक्टर गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा का तलाक होने वाला है। इसके लिए वो कोर्ट भी गए हैं। इन सारी खबरों पर सुनीता और गोविंदा ने विराम लगा दिया है। गोविंदा और सुनीता आहूजा बुधवार को गणेश चतुर्थी के मौके पर साथ में यह उत्सव मनाते दिखे। दोनों ने मीडिया के सामने साथ में फोटो भी खिंचवाईं।

तलाक की खबरों के बीच गोविंदा ने पत्नी सुनीता संग पूजा करते आए नजर

गणेश चतुर्थी के मौके पर गोविंदा और सुनीता आहूजा ने मैचिंग कपड़े पहने हुए थे। उन्होंने फोटोग्राफर्स के सामने पोज भी दिए। साथ ही गोविंदा ने उन्हें प्रसाद भी दिया। उन्होंने मीडिया से कहा कि वो उनके बच्चों टीना और यश को आशीर्वाद दें कि वो भी जीवन में खूब तरक्की करें। इसी बीच किसी ने तलाक के बारे में पूछा तो सुनीता ने तुरंत कहा, कंट्रोवर्सी सुनने आए हो या गणपति दर्शन करने? गोविंदा और सुनीता के तलाक की अफवाह इस साल फरवरी से ही आ रही थी। कुछ दिनों पहले भी ऐसी खबर फैली थी। उस समय गोविंदा के वकील ललित बिंदल ने कहा था कि ऐसा कुछ नहीं है, सब कुछ सही है, और लोग पुरानी बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि गणेश चतुर्थी आएगी तो सभी साथ दिखेंगे, और ऐसा ही हुआ। इससे पहले गोविंदा के मैनेजर शशि ने इन सब बातों को अफवाह बताया था। शशि ने कहा, यह पुरानी बात है जो फिर से ताजा खबर की तरह फैल रही है। कोई नई बात नहीं हुई है। मुझे लगातार कॉल आ रही हैं, लेकिन सब ठीक है। कपल के बीच लगभग सब कुछ सुलझ गया है। चिंता की कोई बात नहीं है। हम जल्द ही आधिकारिक बयान भी जारी करेंगे। उन्होंने मीडिया में फैल रही गलत जानकारियों को लेकर नाराजगी जाहिर की और कहा, क्या आपने गोविंदा को इसके बारे में बोलते देखा है?

मेट्रो बाजार

राजधानी की तरह अन्य ट्रेनों में भी बुक करा सकेंगे खाना

नई दिल्ली। चलती ट्रेनों में वेंडरों द्वारा खाने-पीने के सामान की एमआरपी से अधिक कीमत लेने जैसी शिकायतों और यात्रियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए रेलवे टिकट बुकिंग के साथ ही उन ट्रेनों में भी खाना बुक करने की सुविधा देना शुरू कर रहा है। जिनमें खाना राजधानी, शताब्दी और वंदेभारत जैसी कुछ अन्य प्रीमियम ट्रेनों में टिकट बुकिंग के वक्त ही बुक ना होकर यात्रा के दौरान ही खरीदना पड़ता है। अभी यह सुविधा 20 ट्रेनों में ट्रायल के तौर पर दी जा रही है। जिसकी संख्या आने वाले

समय में बढ़ती रहेगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रेलवे में राजधानी, शताब्दी, वंदे भारत और दुरंतो जैसी प्रीमियम एक्सप्रेस ट्रेनों में टिकट बुक कराते वक्त खाने की भी सुविधा होती है। लेकिन अन्य मेल एक्सप्रेस ट्रेनों में टिकट बुक कराते वक्त मील बुक कराने की सुविधा नहीं होती है। ऐसे में यात्रियों को सफर के दौरान ही वेंडर से खाना खरीदना पड़ता है। इससे कई यात्रियों को खासी परेशानी भी होती है। यात्रियों की इसी परेशानी को दूर करने के लिए रेलवे ने पैंट्री कार वाली अपनी कुछ ट्रेनों में टिकट बुक के दौरान ही खाना बुक कराने की सुविधा भी देना शुरू किया है। इसमें वेज और नॉन-वेज जैसा मील बुक कराने की सुविधा है।

रिटेल स्टोर पर जबरन नहीं मांगा जाएगा मोबाइल नंबर, सरकार ने दी है व्यवस्था

नई दिल्ली। आप किसी मॉल के या अपने पड़ोस के मल्टीब्रांड रिटेल स्टोर जाते हैं। वहां कुछ सामानों की खरीदारी करते हैं। बिलिंग के वक्त आपसे कहा जाता है कि अपना मोबाइल नंबर दीजिए। आप पूछते हैं क्यों तो सामने वाला कहता है कि इसी पर आपका बिल भेज दिया जाएगा। कोई स्टोर लॉयल्टी प्रोग्राम में शामिल करने के लिए आपसे नंबर लेते हैं। इस तरह से लिए गए मोबाइल नंबर के लीक होने का खतरा रहता है। लेकिन सरकार कुछ ऐसा कर रही है कि रिटेल स्टोर आपसे जबरन मोबाइल नंबर नहीं ले सकेंगे।

क्या होने वाला है?- खबर के मुताबिक भारत में जल्द ही डेटा सुरक्षा के नए नियम लागू होने वाले हैं। इससे मोबाइल नंबर लेने वाले बड़े रिटेल स्टोर्स को परेशानी हो सकती है। क्योंकि नए डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के तहत ऐसा करना मुश्किल हो जाएगा। क्योंकि इससे लोगों की प्राइवेसी का खतरा होता है। हालांकि कुछ ग्राहक शायद अपनी मर्जी से नंबर देते भी हैं। लेकिन सार्वजनिक जगह पर जोर से मोबाइल नंबर बोलने से जानकारी लीक होने का खतरा रहता है। नए नियम कहते हैं कि कंपनियों को डेटा लेते समय सुरक्षा का ध्यान रखना होगा। ऐसा नहीं करने पर नियम का उल्लंघन हो सकता है।

इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी लॉ फर्म के एंड एस पार्टनर्स के एस चंद्रशेखर ने बताया कि मोबाइल नंबर जोर से बताने की बजाय कीपैड से एंट्री करने जैसे छोटे बदलावों से प्राइवेसी को बेहतर बनाया जा सकता है।

देर रात तेज आवाज से खलल, डीजे संचालक पर मामला दर्ज

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मंगलवारा थाना क्षेत्र स्थित भारत टाकीज चौराहा पर तेज आवाज में डीजे बजाने वाले डीजे संचालक पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। दरअसल, रात करीब डेढ़ बजे का समय था और डीजे की ध्वनि अत्यधिक तेज थी। उसे पुलिस ने डीजे की आवाज करने की

समझाइश दी गई, लेकिन उसने पुलिस की बातों को अनसुना कर दिया। पुलिस के अनुसार 27 अगस्त की रात करीब डेढ़ बजे भारत टाकीज चौराहा पर पुलिस की गश्त कर रही थी। इसी दौरान अल्पना तिराहा तरफ से एक गणेश प्रतिमा स्थापना के लिए भारत टाकीज चौराहा से निकल रहा था। इस वाहन के अलावा भी अन्य डीजे वाले वाहन थे। डीजे वाहन का चालक डीजे को तीव्र ध्वनि से बजा रहा था। इस दौरान प्रतिमा ले जा रहे युवक नाच रहे थे। डीजे तेज बजाने वाले का नाम और वैद्य अनुमति मांगी तो वह नहीं बता सका। धार्मिक आयोजन होने से डीजे चालक को समझाइश दी गई, लेकिन डीजे संचालक पुलिस की समझाइश को अनसुना कर अपना डीजे तेज ध्वनि में बजाता रहा। तेज ध्वनि के कारण आसपास के रहवासियों व आने जाने वाले लोगो को अत्यधिक परेशानी हो रही थी। पुलिस ने डीजे संचालक पर कोलाहल अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

लोडिंग वाहन की टक्कर से पलटा इलेक्ट्रिक रिक्शा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बैरागढ़ इलाके में आधी रात को एक तेज रफ्तार लोडिंग वाहन ने इलेक्ट्रिक रिक्शे को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से रिक्शा पलट गया और चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने अज्ञात लोडिंग वाहन के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार तरुण कोटवानी (35) श्रद्धा कालोनी, बैरागढ़ कला में किराए से रहता है और इलेक्ट्रिक सवारी आटो चलाने का काम करता है। बीती छब्बीस अगस्त की रात करीब दो बजे वह अपना आटो लेकर बैरागढ़ से घर बैरागढ़ कला की तरफ लौट रहा था। आकाश गार्डन चौराहे पर तरुण ने बैरागढ़ कला की तरफ अपना आटो मोड़ा, तभी सीहोर की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार लोडिंग वाहन ने उसके आटो को टक्कर मार दी, जिससे आटो पलट गया। इस हादसे में तरुण को गंभीर चोट आई और वह बेहोश हो गया। जब उसे होश आया तो वह निजी अस्पताल में भर्ती था। पुलिस ने तरुण के बयान लेकर टक्कर मारने वाले अज्ञात लोडिंग वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। लोडिंग वाहन में नीले रंग की पन्नी चढ़ी हुई थी। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

बाइक सवार को कार चालक ने मारी टक्कर

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

गांधी नगर इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को टक्कर मारकर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार पवन सिंह (44) आरा मशीन रोड गांधी नगर में रहते और ड्रायवरी करते हैं। बीती

सोलह अगस्त को शाम करीब साढ़े तीन बजे वह अब्बास नगर होकर अपने घर गांधी नगर की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान अब्बास नगर स्थित नशामुक्ति केंद्र के पास एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। जब उन्हें होश आया तो वह अस्पताल में भर्ती थे। इलाज कराने के बाद पवन ने बुधवार को थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई।

हादसे में गंभीर रूप से घायल उसके साथी का चल रहा है इलाज

बाइक को टक्कर मारने वाले कार चालक पर केस दर्ज, एक की मौत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बिड़ला मंदिर के सामने बुधवार की सुबह बाइक सवार दो युवकों को कुचलने वाले कार चालक के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। इस हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल उसके साथी का इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार विपिन तिवारी (23) काली मंदिर के पास भीमनगर में रहता था और प्रायवेट काम करता था। उसके मोहल्ले में रहने वाला चंद्रप्रकाश तिवारी (25) भी उसके साथ ही काम करता है।

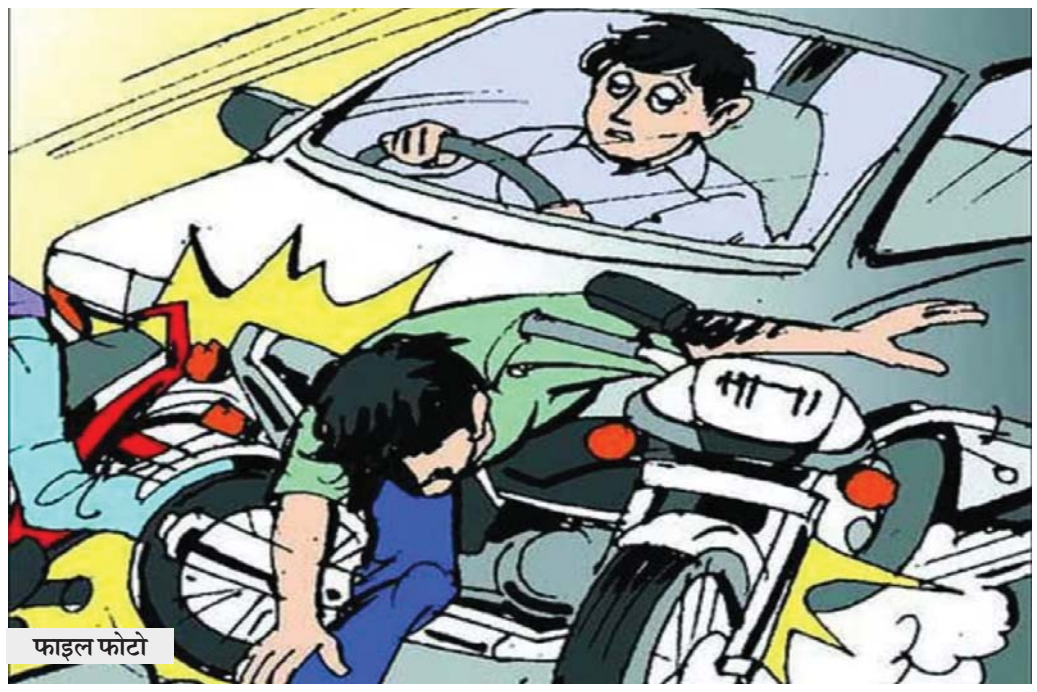

फाइल फोटो

बुधवार की सुबह दोनों दोस्त अपनी स्पोर्ट्स बाइक पर सवार होकर मालवीय नगर से भीम नगर जा रहे थे। सुबह करीब सात बजे दोनों बिड़ला मंदिर के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार आर्टिगा कार के चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक उछलकर सड़क पर गिरे और घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद विपिन तिवारी को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल चंद्रप्रकाश का अभी इलाज चल रहा है। उसके हाथ-पैरों में गंभीर चोट आई है। बाइक सवार युवक को कार ने मारी टक्कर भोपाल। ईंटखेड़ी इलाके में एक तेज रफ्तार कार के चालक ने बाइक सवार युवक को टक्कर मारकर घायल कर दिया। उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार रोहित कुशवाह बैरसिया का रहने वाला है। उसने पुलिस को बताया कि बीती पच्चीस अगस्त की शाम को वह अपने चचेरे भाई पवन कुशवाह के साथ भोपाल से बैरसिया लौट रहा था, जबकि उसके आगे दूसरी बाइक पर मौसी का लड़का सागर चल रहा था। रात करीब साढ़े सात बजे तीनों सिद्धि विनायक कालोनी पिपलिया जोड़ के पास पहुंचे तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार के चालक ने सागर की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे सागर गंभीर रूप से घायल हो गया। रोहित और पवन ने उसे इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां से बाद में दूसरे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सागर का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। पुलिस ने रोहित की रिपोर्ट पर टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

गुटखा खरीदने रुके सब्जी व्यापारी की स्कूटर लेकर भागे बदमाश

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित जमुनिया छीर गांव में यश ढाबा के पास अज्ञात तीन बदमाश सब्जी व्यापारी की स्कूटर लेकर भाग निकले। दरअसल, सब्जी व्यापारी सुबह करीब साढ़े 4 बजे सब्जी लेने के लिए करोंद मंडी जा रहे थे। रास्ते में यश ढाबा के पास उन्होंने सड़क किनारे अपनी स्कूटर खड़ी की और गुटखा खरीदने लगे, तभी बदमाश उनकी स्कूटर लेकर भाग निकले। काफी तलाश करने के बाद भी जब स्कूटर का सुराग नहीं लगा तो उन्होंने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार प्रीतम सिंह मेवाड़ा पिता वीरभान सिंह मेवाड़ा (46) ग्राम ईटखेड़ी छाप थाना खजूरी सडक में रहते है और ईटखेड़ी में मेरी सब्जी की दुकान लगाते है। 26 अगस्त मंगलवार सुबह वह अपनी टीवीएस एक्सेस 100 स्कूटर से सब्जी लेने करोंद सब्जी मंडी जा रहे थे। सुबह करीब साढ़े 4 बजे वह यश ढाबा जमुनिया छीर के पास पहुंचे। उन्होंने सड़क किनारे स्कूटर खड़ी की और गुटखा लेने यश ढाबा चले गए। गुटखा लेकर वापस आए तो तीन लडके उनकी स्कूटर लेकर भोपाल की तरफ भाग जाने लगे। उन्होंने लड़कों की तलाश की, लेकिन लड़कों का पता नहीं चल सका।

प्रभात चौराहा पर एमसीए छात्र की बाइक लेकर भागे बदमाश

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित प्रभात चौराहा पर एमसीए के छात्र की तीन बदमाश बाइक लेकर फरार हो गए। घटना मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे के आसपास की है। बदमाश पैदल आए थे और छात्र भोपाल रेलवे स्टेशन से आटो से आ रहे अपने दोस्त का इंतजार कर रहा था, तभी बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने अज्ञात लुटेरों पर मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार चंदन मौर्या पिता रमेश सिंह मौर्या (20) मूलत- भांडेर का रहने वाला है और इन दिनों चर्च रोड पटेल नगर में किराए के मकान में रह रहा है। उसने पुलिस को बताया कि उसने एमसीए में अभी ही एडमिशन लिया है। उसका दोस्त भोपाल स्टेशन से उसके रूम आ रहा था। चंदन ने भोपाल स्टेशन नहीं देखा था। लिहाजा वह

प्रभात चौराहा पर रात करीब 1 बजे पहुंचा और अपने दोस्त को कॉल कर कहा कि तुम प्रभात चौराहा तक ऑटो से आ जाना। प्रभात चौराहा पर चंदन दोस्त के आने का इंतजार कर रहा था, तभी तीन बदमाश उसके पास पहुंचे। एक बदमाश ने उसे धमकाते हुए उसकी बाइक की छुड़ा ली। बाइक हाथ लगने के बाद आरोपी बाइक लेकर फरार हो गया, जबकि उसके दो साथी पैदल ही भाग निकले। करीब दो घंटे बाद चंदन अपने दोस्त के साथ थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस का कहना है कि प्रभात चौराहा जैसे व्यस्ततम इलाके में चंदन के साथ घटना हो गई और उसने शोर मचाकर लोगों तक नहीं बुलाया। जिस जगह घटना हुई है उससे कुछ दूरी पर ही आटो चालक अपने ऑटो में बैठे थे।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित मीरा नगर में बुधवार शाम एक महिला ने फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उसे फंदे से उतारकर एम्स ले गए। वहां डॉक्टर ने चेक करने पर महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस को महिला के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। आज परिजन पीएम के बाद परिजन के बयान दर्ज करेगी।

पुलिस के अनुसार अन्नु गौतम पति बाबूराम गौतम (35) मीरा नगर, हबीबगंज में रहती थी। वह गृहणी थी, जबकि पति प्राइवेट काम करता है। अन्नु और बाबूराम की करीब पंद्रह साल पहले शादी हुई थी। उनके दो बच्चे भी है। अन्नु ने बुधवार शाम करीब 7 बजे घर में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन फंदे से उतारकर उसे एम्स ले गए।?वहां डॉक्टर ने चेक करने पर अन्नु को मृत घोषित कर दिया।

मेट्रो एंकर | बैरसिया के ग्राम इमलिया स्वरूप के पास की घटना

किसान पर डंडे से हमला कर बाइक-मोबाइल ले गए लुटेरे

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित ग्राम इमलिया स्वरूप में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात अज्ञात बदमाश ने डंडे से हमला कर किसान की बाइक और मोबाइल लूट लिया। घटना के समय वह अपने भाई को लेने रमगढ़ा से बैरसिया बस स्टैंड जा रहे थे। रास्ते में बदमाश ने उनकी बाइक रोककर हमला कर दिया। किसान के सिर व पीठ पर गंभीर चोट आई है।

फाइल फोटो

पुलिस ने लूट का प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि ग्राम रमगढ़ा थाना बैरसिया निवासी सरजन सिंह गुर्जर (45) खेती-किसानी करते हैं। उनके भाई कटनी से हड्डी जोड़ की दवा पीकर बस से बैरसिया बस स्टैंड पर उतरे थे। सरजन सिंह मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात अपने भाई को लेकर बैरसिया बस स्टैंड के लिए बाइक से निकले। रात करीब 2 बजे वह ग्राम इमलिया स्वरूप के पास पहुंचे ही थे कि अंधेरे में छिपे अज्ञात बदमाश ने चलती गाड़ी पर डंडे से उन पर हमला कर दिया। हमला होने से वह गाड़ी सहित नीचे गिर गए। गिरते ही बदमाश ने उन्हें डंडे से पीटना शुरू कर दिया। मारपीट कर बदमाश ने उन्हें घायल कर दिया। इसके बाद उनकी बाइक और जेब से मोबाइल निकालकर भाग निकला। घटना की शिकायत पुलिस ने बुधवार दोपहर दर्ज की और आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीन युवक घायल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

हनुमानगंज स्थित हमीदिया रोड पर एक ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार कामिल (19) बरखेड़ी जहांगीराबाद में रहता है और पढ़ाई करता है। बीती रात करीब डेढ़ बजे वह अपने दोस्तों रेहान और सऊद के साथ बाइक से नादरा बस स्टैंड से घर लौट रहा था। सब्जी मंडी गेट के सामने पहुंचने पर एक ट्रक चालक ने कार को ओवरटेक करते हुए उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे तीनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल कामिल का इलाज चल रहा है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022